टेक्सटाइल मिरर

वस्त्र उद्योग का सटीक आईना

हिन्दी-अंग्रेजी पाक्षिक

DIGITAL EDITION SPONSOR BY

Jugg jugg jeeyo

Launching New Range of Full Stitch Ethnic Wear

Looking for Agents & Dealers Pan India

From The house of

Qmax WORLD®

SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY

Regd Office - K8, Shree Arihant Compound
Kahler Pipeline, Bhiwandi 421302

70586 75320

Info@juggjuggjeeyo.com

चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ!
अखिल भारतीय संस्करण
टेक्सटाइल मिरर
पाक्षिक
Postal Regd. No.: Bhilwara/231/2021-2023
वर्ष : 11 अंक : 14 प्रकाशित : 16 सितम्बर, 2022 शुक्रवार Editor : Govind Sharma स्थान : भीलवाड़ा पृष्ठ : 16 मूल्य : 20 रुपये

कॉटन के भाव घटने का इंतजार

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी एजेंसियों की खरीद कमजोर रहने के आसार

प्रवीण राणा–ब्यूरो चीफ

नई दिल्ली/ कॉटन की नई फसल आरंभ हो चुकी है। कॉटन का वर्तमान सीजन 30 सितम्बर को समाप्त हो रहा है और नया सीजन पहली अक्टूबर 2022 से आरंभ होगा। टेक्सटाइल उद्योग कॉटन के भाव घटने का इंतजार कर रहा है। नई फसल की आवक का दबाव बढ़ने पर भाव जरुर घटेंगे लेकिन ज्यादा गिरावट की संभावना कम है क्योंकि पड़ोसी देशों सहित वैश्विक स्तर पर उत्पादन कम होने का अनुमान है। इसके अलावा इस बार कई वर्षों के बाद देश में कैरी फॉरवर्ड स्टॉक कम रहने का अनुमान है। इस बार बिजाई अधिक क्षेत्र में हुई है लेकिन उत्पादकता नहीं बढ़ने तथा कुछ राज्यों में फसल को नुकसान की आशंका से उत्पादन घट सकता है।अभी तक नई फसल सही अनुमान नहीं लगने से उतार-चढ़ाव के बीच भाव मजबूत बने हुए हैं। ऐसे में यदि बाजार भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक रहते हैं तो सरकारी एजेंसियों की खरीद कमजोर रहने के आसार हैं।

देश में सबसे बड़े फेस्टीवल सीजन दशहरा एवं दीपावली तथा उसके बाद विंटर का वैवाहिक सीजन आरंभ हो रहा है। ऐसे में कॉटन आधारित टेक्सटाइल सेक्टर की नजर कॉटन की फसल एवं भाव पर टिकी हुई है। इस सेक्टर को कॉटन के भाव घटने का इंतजार है ताकि भाव घटने के बाद अपनी उत्पादन गतिविधियों में तेजी लाई जा सके और अपने मार्जिन को बढ़ाया जा सके लेकिन अभी तक कॉटन उत्पादन और भाव को लेकर कोई सटीक अनुमान नहीं लग पाया है।

पिछले सीजन में कॉटन में रिकॉर्ड तोड़ तेजी आई और भाव उच्च स्तर पर पहुंचे। देश में बिजाई अच्छी होने तथा मांग घटने से कॉटन के भाव उच्च स्तर से गिरने लगे थे लेकिन उसके बाद देश में फसल को नुकसान की खबर आने तथा अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा वैश्विक उत्पादन कम होने की खबर से भाव वापस पूर्व स्तर पर

(शेष पृष्ठ 12 पर)

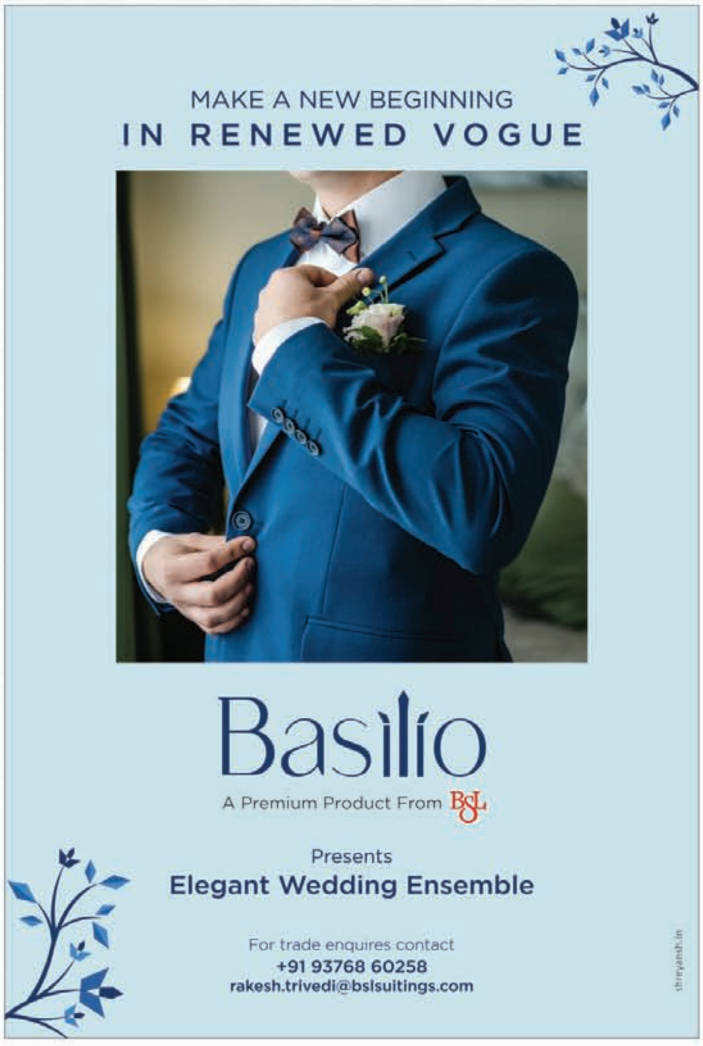

फेस्टीवल नजदीक आने के बावजूद

गारमेण्ट में कारोबार अपेक्षा से कम

प्रवीण चण्डा
नई दिल्ली-गारमेण्ट

दशहरा एवं दीपावली का फेस्टीवल सीजन नजदीक आ गया है इसके बावजूद रेडीमेड गारमेण्ट में भरपूर ग्राहकी नहीं होने से कारोबार अपेक्षा से कम हो रहा है। व्यापारियों को उम्मीद थी कि पित्रपक्ष के दौरान सभी दिसावरों का ग्राहक खरीददारी के लिए आएगा लेकिन अभी तक पूर्वोत्तर भारत का ग्राहक ही खरीददारी के लिए आ रहा है।

दरअसल रिटेल स्तर पर लम्बे समय से बिक्री कमजोर रहने की वजह से ग्राहकों में उत्साह कम है फिर भी आगे सीजन को देखते हुए व्यापारी खरीददारी के लिए आ रहे हैं। यद्यपि अभी दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान का ग्राहक खरीददारी के लिए नहीं निकला है। व्यापारियों के अनुसार बंगाल, असम एवं उड़ीसा की ग्राहकी लगभग निबट चुकी है। बिहार एवं झारखंड की ग्राहकी निकलने लगी है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में ग्राहकी तो निकल रही है लेकिन अभी 60/70 प्रतिशत ग्राहकी है। दिसावरी ग्राहकों का आगमन भी कम है और खरीददारी भी सीमित हो रही है। इस बार कारोबार का वोल्यूम कम है क्योंकि खरीददारी के लिए आने वाले व्यापारियों में वैसा उत्साह एवं जोश नहीं है, जैसा इन दिनों होना चाहिए था। दरअसल देश भर के खुदरा बाजारों में लम्बे समय से बिक्री कमजोर चल रही है जिससे पैसे की भारी तंगी है। अनिश्चितता के माहौल में व्यापारी का मनोबल दबा हुआ है।

व्यापारियों का कहना है कि इस बार सितम्बर आखिरी सप्ताह से नवरात्र आरंभ होंगे और अक्टूबर प्रथम सप्ताह में दशहरा है जिसके लिए बहुत कम समय रह गया है। इस बार दशहरा-दीपावली जल्दी है इसलिए फेस्टीवल सीजन दशहरा-दीपावली के लिए सीजन की अवधि छोटी है।

एसोसिएशन ऑफ होलसेल रेडीमेड गारमेण्ट डीलर्स, अशोक बाजार के अध्यक्ष श्री कंवल कुमार बल्ली के अनुसार ग्राहकों का ज्यादा रिस्पॉंस नहीं मिल रहा है। रिटेल में अभी सन्नाटा है। व्यापारी एवं आम लोगों की खरीद शक्ति कमजोर है। विंटर के माल का स्टॉक करने में व्यापारियों में जोश नहीं है। कमजोर कारोबार से सभी परेशान हैं। जो माल जा भी रहा है, उसका भुगतान नहीं आ रहा है।

फैब्रिक्स निर्माता बाजार में घूम रहे हैं। निर्माताओं को भी अपेक्षित ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। व्यापारी हैण्ड टू माउस वाला काम करना चाहता है अर्थात् जब बिक्री चलेगी, तभी नया माल लेंगे। कोरोना काल के दौरान लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की आदत पड़ गई है इसलिए लोग बाजार में खरीददारी के लिए कम आते हैं। ऑनलाइन का पैसा कॉर्पोरेट सेक्टर की चुनिंदा कम्पनियों को जाता है इसलिए बाजार में पैसे का सर्कुलेशन भी कम है। छोटा व्यापारी परेशान है। किराए की दुकान नहीं चल पा रही है।

डेनिम की सभी वैरायटी में लाइक्रा चल रहा है। डेनिम प्योर कॉटन जो पहले 250/350 रुपए मीटर थी, वह 325/400 रुपए मीटर हो गई है। पोलि डेनिम में निर्माताओं ने लागत में कटौती करने के लिए क्वालिटी से समझौता किया है फिर भी जो पोली डेनिम पहले 100/150 रुपए की थी, वह 125/200 रुपए की जो गई है।

जेन्ट्स में शर्ट, जींस-ट्राउजर, कुर्ता-पजामा एवं नाईट सूट आदि सभी तरह के गारमेण्ट में ग्राहकी निकली है। लेडीज ड्रेस में फैंसी गारमेण्ट के साथ रेग्यूलर गारमेण्ट प्लाजो सेट, कुर्ती-टॉप, टी-शर्ट एवं बॉटम वियर में भी ग्राहकी निकलने लगी है। अभी वूलन गारमेण्ट में ग्राहकी की शुरुआत नहीं हुई है।

स्पार्की ब्राण्ड के चेयरमेन श्री जे. के. जैन के अनुसार सितम्बर का आधा महीना बीत जाने के बावजूद बाजार में ग्राहकों का उतना रिस्पॉंस नहीं है जितना इन दिनों होना चाहिए था। पित्रपक्ष के दौरान ग्राहकों की भीड़ उमड़ती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। सीजन बहुत छोटा रह गया है। भुगतान भी नहीं आ रहा है। ऐसा लगता है कि इस फेस्टीवल सीजन के लिए व्यापारियों में उत्साह नहीं है। स्पार्की की डेनिम जींस, ट्राउजर एवं शर्ट की सम्पूर्ण रेंज में ग्राहकी निकली है।

संतोष ट्रेडिंग कम्पनी के संचालक श्री रोहित भंसाली के अनुसार फेस्टीवल की तुलना में लग्न के अवसर पर गारमेण्ट ज्यादा बिकता है इसलिए अभी तक अपेक्षित ग्राहकी नहीं है। इस बार फेस्टीवल सीजन के लिए ग्राहकों का आगमन अपेक्षाकृत बहुत कम है। पूर्वोत्तर के बाद उत्तर भारत के ग्राहक खरीददारी के लिए आने लगे हैं लेकिन कारोबार का वोल्यूम कम है। बाजार में पैसे की तंगी बनी हुई है। संतोष ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा निर्मित शर्ट की पूरी रेंज में ग्राहकी बनी हुई है। एस स्पार्कल शर्ट में प्लेन के साथ प्रिंट और चैक्स की 300/700 रुपए की रेंज में मांग निकली है। जूनियर शर्ट रेग्यूलर एवं फैंसी में

250/700 रुपए की रेंज में ग्राहकी है। संतोष ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा निर्मित व्हाईट कुर्ता-पजामा की जोरदार मांग है। इसके अलावा मान्यवर स्टाईल में फैंसी कुर्ता-पजामा में ग्राहकी निकली है। रेग्यूलर पेटर्न की मांग बनी हुई है। कुर्ता-पजामा की 350/1000 रुपए की रेंज में मांग है।

रम्भा ड्रेसेज संचालक श्री सतीश पुनियानी के अनुसार अभी तक 70 प्रतिशत ग्राहकी है जबकि फेस्टीवल सीजन सिर पर आ गए हैं। असम, बिहार एवं झारखंड की ग्राहकी है जबकि उत्तर भारतीय राज्यों की ग्राहकी अभी नहीं निकली है। रम्भी ड्रेसेज द्वारा निर्मित कुर्ता-पजामा 450/700 रुपए की मीडियम रेंज और नाईटी गाउन की 265/325 तथा सेट की 300/500 रुपए की रेंज में ग्राहकी है। शेरवानी बड़ों की 950 रुपए एवं बच्चों की 700/850 रुपए की रेंज में ग्राहकी है।

लेडीज गारमेण्ट में फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी निकलने लगी है। फैंसी गारमेण्ट की मांग है। जारजेट, सिल्क, रेयॉन, चंदेरी सिल्क एवं सिफोन तथा कॉटन से निर्मित प्लाजो सेट में ग्राहकी निकली है। लेडीज जींस, टी-शर्ट, लेगिंग्स, कुर्ती, सूट आदि में भी मांग निकली है। कॉटन एवं आयातित फैब्रिक्स से निर्मित फुल बाजू के टॉप एवं कॉटन कुर्ती की मांग है।

'रिलायंस' ने किया 'शुभलक्ष्मी पॉलिएस्टर्स' का अधिग्रहण

नई दिल्ली/ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल)ने पॉलिएस्टर चिप एवं धागा बनाने वाली कंपनी शुभलक्ष्मी पॉलिएस्टर्स लिमिटेड का 1,592 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। आरआईएल ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी रिलायंस पेट्रोलियम रिटेल लिमिटेड (रिलायंस पॉलिएस्टर लिमिटेड का बदला हुआ नाम)ने शुभलक्ष्मी पॉलिएस्टर्स लिमिटेड और शुभलक्ष्मी पॉलिटेक्स लिमिटेड के पॉलिएस्टर कारोबार का अधिग्रहण करने के लिए एक निर्णायक समझौता किया है।

इस सूचना के मुताबिक, शुभलक्ष्मी पॉलिटेक्स लिमिटेड का अधिग्रहण (एसपीएल) 1,522 करोड़ रुपये और शुभलक्ष्मी पॉलिटेक्स लिमिटेड (एसपीटेक्स) का अधिग्रहण 70 करोड़ रुपये में करने का समझौता हुआ है। इस तरह कुल 1,592 करोड़ रुपये के नकद भुगतान के साथ इस अधिग्रहीत कंपनियों के संबंधित लेनदारों की मंजूरी लेनी होगी।

रिलायंस ने इस बारे में कहा, ये अधिग्रहण अपने पॉलिएस्टर कारोबार के विस्तार की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। एसपीएल ने वित्त वर्ष 2020-21 में 1,768.39 करोड़ रुपये का कारोबार किया था जबकि इसी दौरान एसपीटेक्स का कुल कारोबार 267.40 करोड़ रुपये रहा था।

एपेरल एक्सपोर्ट 31 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली/ चालू वित वर्ष में अप्रैल-जून की तिमाही में परिधान निर्यात लगभग 32 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 3.40 अरब डॉलर रहा था। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने यह जानकारी दी है। परिषद की एक बैठक को संबोधित करते हुए एईपीसी के चेयरमैन श्री नरेन गोयनका ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन सहित विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते से भारत के प्रतिस्पर्धी देशों के लाभ को बेअसर करने में मदद करेगी। वर्ष 2021-22 में परिधान निर्यात 16.2 अरब डॉलर का हुआ था।

श्री गोयनका ने कहा कि हमें अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर, एमएमएफ (मानव निर्मित फाइबर) खंड में प्रवेश करके अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार रहना होगा। हमें उत्पादन की अपनी लागत को सक्रिय रूप से काम करना होगा और वैश्विक मानकों पर खरा उतरने की दिशा में काम करने होगा।

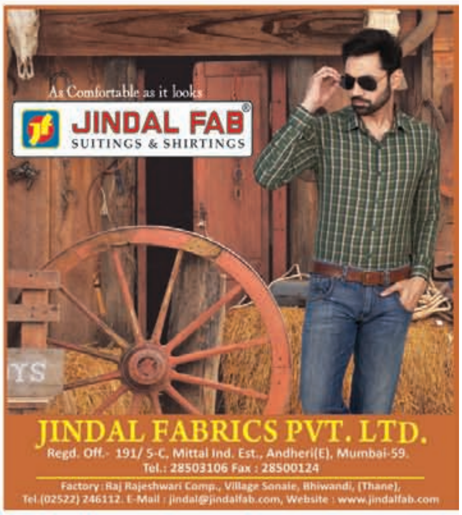

वस्त्र उद्योग के आधुनिकीकरण में नहीं आयेगी कोई बाधा –वस्त्र आयुक्त

भीलवाड़ा/ ए-टफ योजना 31 मार्च 2022 को बंद हो चुकी है एवं नये योजनाओं पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है। पीएलआई पैटर्न पर नई योजना को अन्तिम रूप दिया जाकर लागू करने में समय लग सकता है। वस्त्र मंत्रालय एवं वस्त्र आयुक्त कार्यालय का भी यह विचार है कि टेक्सटाइल उद्योग के आधुनिकीकरण में कोई व्यवधान पैदा नहीं हो, इसके लिए ए-टफ योजना की समयावधि बढ़ाने पर मंत्रालय गंभीरता से विचार कर रहा है। अन्तिम निर्णय अन्तं-मंत्रालय समिति की बैठक में लिया जाएगा। यह बात भारत सरकार की वस्त्र आयुक्त श्रीमती रूपराशि ने आज अपरान्ह मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के सदस्यों के साथ पीएलआई पैटर्न पर नई योजना के प्रारूप पर विचार-विमर्श के दौरान कही। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता होने के साथ अब प्रमुख निर्यात सेक्टर के रूप में भी विकसित हो रहा है। वेबीनार के प्रारंभ में मेवाड़ चेम्बर के अध्यक्ष श्री जी.सी. जैन ने चेम्बर की ओर से विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किये।

नितिन स्पिनर्स के श्री दिनेश नौलखा ने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग में कई सेक्टर जॉब वर्क पर कार्य करते हैं, प्रोसेसिंग सेक्टर में सम्पूर्ण उत्पादन जॉब पर ही होता है। ऐसे में कंपनी के अकाउंट में इन्वेस्टमेंट के सामने उत्पादन वेल्यू बहुत कम आएगी, अत: नये पीएलआई पैटर्न में इन्सेंटिव के लिए वैल्यू के स्थान पर उत्पादन की क्वाण्टिटी को रखा जाना चाहिए।

सुदिवा स्पिनर्स के श्री जे. सी. लड्ढा ने कहा कि वर्तमान ए-टफ योजना में स्पिनिंग सेक्टर को शामिल नहीं किया गया है लेकिन टेक्सटाइल उद्योग का मुख्य आधार ही स्पिनिंग है। अत: पीएलआई पैटर्न में स्पिनिंग सेक्टर को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्पिनिंग में इन्वेस्टमेंट के मुकाबले टर्नओवर 1.4 गुणा ही अधिकतम आ सकता है। अत: प्रोत्साहन राशि पैटर्न बनाते समय इसका भी ध्यान रखना होगा।

डॉ आर सी लोढ़ा ने सुझाव दिया कि टेक्सटाइल उद्योग के आधुनिकीकरण में विभिन्न योजनाओं में बैंकिंग सेक्टर के पूर्ण योगदान के लिए इण्डियन बैंकर्स एसोसिएशन के साथ भी विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। वस्त्र आयुक्त ने इस पर सहमति प्रदान की।

संगम इण्डिया के श्री वी के सोडानी ने कहा कि नई योजना में गारमेण्टिंग सेक्टर को केवल एमएसएमई श्रेणी के लिए रिजर्व रखने के बजाय सभी सेक्टर को सम्मिलित करना चाहिए क्योंकि कई कॉरपोरेट घराने भी गारमेण्टिंग में जाने के लिए तत्पर है। उन्होंने स्पष्टीकरण चाहा कि क्या वर्तमान में पीएलआई पात्रता वाली कम्पनी या ग्रुप नई योजना में भी पात्रता रखेगा।

शारदा ग्रुप के श्री अभिषेक सिंघवी ने कहा कि नई योजना में सम्मिलित किये जाने वाले भवन निर्माण एवं मशीनरी की लिस्ट भी जारी की जानी चाहिए क्योंकि पुरानी टफ योजना में कई तरह की लिस्ट पूर्व में बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि वीविंग सेक्टर में टर्नओवर की पात्रता 106 करोड़ रखी गई है लेकिन प्रथम वर्ष में प्रोत्साहन राशि 69 करोड़ पर रखी गई है, जो कि उचित नहीं है, पूर्ण टर्नओवर पर ही प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि नई योजना में केवल कम्पनी के बजाय प्रोप्राइटरशिप, पार्टनरशिप इकाइयों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए।

वेबीनार में डॉ पी. एम. बेसवाल, डॉ एस. एन. मोदानी, श्री जे. के. बागड़ोदिया, श्री अविनाश भार्गव, श्री डीपी मंगल भी सम्मिलित हुए।

वर्ष-11 अंक-14

Editorial

आम आदमी की क्रय शक्ति बढ़ाने की आवश्यकता

भारत की आर्थिक गतिशीलता व विकास दर को लेकर हालात पूरी तरह सकारात्मक ही बने हुए हैं और ऐसे हालात में भारत के नीति निर्धारकों को स्थिर व मजबूत आर्थिक विकास दर के संदर्भ में अपनी कार्ययोजना को जारी रखना चाहिए तथा मुख्य रूप से भारतसरकार को सप्लाई के स्तर पर और सुधारों को लागू करना चाहिए, ताकि घरेलू मजबूत मांग व आपूर्ति में संतुलन स्थापित कर सके। वर्ष 2022-23 के दौरान भारत द्वारा मजबूत 7.50 प्रतिशत आर्थिक विकास दर अर्जित किये जो की संभावना व्यक्त की गई। इससे पूर्व यह संभावना स्टेंडर्ड एंड पूअर ने 7.80 प्रतिशत के स्तर रखी थी। यह विकास दर भी विकासशील व विकसित देशों में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में सर्वाधिक कही जा सकती है। गत कुछ महिनों के दौरान ऊंची मुद्रा प्रसार दर के कारण ही रिर्जव बैंक को बार-बार 0.50 प्रतिशत ब्याज दर वृद्धि का निर्णय तीसरी बार लेने के लिए बाध्य होना पड़ा है, क्योंकि मुद्रा प्रसार दर वृद्धि आम आदमी की क्रय शक्ति व घरेलू मांग को प्रभावित करती है। विशेष रूप से देश के गरीब आदमी की क्रय शक्ति पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसको ऊर्जा व खाद्य पदार्थों के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है लेकिन इनके अलावा अब ऐसे कारण भी देखे जा सकते हैं, जो विकास को मजबूती प्रदान करने में सहयोगी सिद्ध हो रहे हैं। देश में अनुबंधित सेवाओं में वृद्धि से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही देश में सामान्य से अच्छे मानसून के कारण भी कृषि उत्पादन वृद्धि को भरपूर सहयोग मिलने की संभावना है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर तेल, कमोडिटीज, स्टील, एलुमीनियम, कॉपर, जिंक के मूल्य में निरंतर कमी देखने को मिल रही है, यह मुद्रा प्रसार दर के मोर्चे पर अच्छा संकेत भी है, लेकिन जब तक ऊंची मुद्रा प्रसार दर रहती है आम आदमी की क्रय शक्ति पर इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने को अवश्य मिलेगा तथा रिजर्व बैंक भी कठोर मुद्रा नीति को जारी रख सकता है। इसका प्रभाव देश के निर्यात पर भी देखने को मिला है। ऊंची मुद्रा प्रसार दर के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हुई है। जुलाई के दौरान हालाकि नए विनिर्माण आदेशों में तेजी से वृद्धि हुई है तथा कच्चे माल की लागत में भी बहुत कमजोर स्तर पर वृद्धि देखने को मिली थी, लेकिन सेवा क्षेत्र में विपणन की विकास दर बहुत कमजोर रही है अंतरराष्ट्रीय स्तर की बिक्री में भी कमजोरी देखने को मिली है और इसका प्रमुख कारण मुद्रा प्रसार दर वृद्धि ही रहा है, जिसने उपभोग को प्रभावित किया है। घरेलू उत्पादन बढ़ने के बावजूद घरेलू मांग में गिरावट मुद्रा प्रसार दर वृद्धि के कारण आई है। उत्पादों की कीमतें बढ़ी हैं और आम आदमी की क्रय शक्ति घटी है। गिरावट के साथ कच्चे माल की लागत ऊंची ही रही है और अधिकांश कंपनियों ने अतिरिक्त लागत की वसूली उपभोक्ता से करने का प्रयास भी किया है। देश में उत्पादन तेजी से बढ़ा है, लेकिन सेवा के क्षेत्र में ठहराव देखने को मिला है और इस सभी कारणों पर क्रय शक्ति का दबाव देखने को मिल रहा है। मध्य 2022 के दौरान कोर मुद्रा प्रसार दर भी बढ़कर 6 प्रतिशत के स्तर को छू गई है। इसी दौरान भारत से कुछ निवेश के पालयन का भी देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ा है, लेकिन अगस्त से पुन: संस्थागत निवेश का देश में आकर्षक बढ़ रहा है। हालंकि दबाव के चलने रुपये की कमजोरी भी मुद्रा प्रसार दर वृद्धि का कारण बन गई है और भारत सरकार व रिजर्व बैंक को हरसंभव प्रयास करके राजकोषीय घाटे व चालू खाते के घाटे को नियंत्रित रखने का प्रयास करना चाहिए तथा रुपये के विनिमय मूल्य में और किसी गिरावट को रोका जाना चाहिए और इसी संदर्भ में सरकार को ऊर्जा पर लागू करों की दरों में भी सीमित कटौती आवश्य करना चाहिए तथा अनुदानों को विशेष रूप से ऊर्जा के संदर्भ में काम करने का कार्य भी करना चाहिए। आम आदमी की क्रय शक्ति बढ़ेगी तो ही बाजार में सकारात्मक माहौल बना रह सकता है। इसके लिए सरकारों को आवश्यक आर्थिक सुधारों को लागू किया जाना चाहिए।

'सूरत मर्कन्टाइल एसोसिएशन' ने 2 साल की अवधि में कपड़ा व्यापारियों के 45 करोड़ रुपये वसूल करवाए

सूरत

सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन के लिए बहुत ही स्वर्णिम दिन है जब एसएमए अपनी स्थापना का द्वितीय वार्षिक उत्सव तथा भारत माँ की आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह उत्सव बहुत ही धूमधाम एवं हर्षो उल्लास के साथ सूरत के लोकलाडले देश की सम्मानित विभूति अर्जुन अवार्ड से सम्मानित तथा हाल ही में कोमनवेल्थ गेम मे गोल्ड मेडल विजेता श्री हरमित देसाई, प्रसिद्ध मैराथन रनर श्रीमति रीना अजय मारु, देश की सुरक्षा में अपना तन, मन न्यौछावर करने वाले हमारे अपने भूतपूर्व सैनिकों को एसएम प्रमुख श्री नरेन्द्र साबू ने ससम्मान आमंत्रित किया तथा इन विभूतियों ने सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन के मंच को अपनी उपस्थिति से गौरान्वित किया है।

सर्वप्रथम श्री नरेन्द्र साबू ने वार्षिक उत्सव में पधारे हुए सभी मेहमानों को स्वतंत्रता दिवस शुभकामना बधाई दी है। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में एसएमए को दो वर्ष की व्यापारी भाईयों की नि:स्वार्थ सेवा में उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन व्यापारी भाइयों के लिए 100 नम्बर की तर्ज पर सेवा करता है। संगठन की रचनात्मक जानकारी देते हुए बताया कि गत 2 वर्ष पहले 13 व्यापारियों से यह संगठन की शुरुआत हुई थी आज पूरे समस्त सूरत में डेढ़ सौ मार्केट में करीबन 350 व्यापारियों की वर्किंग कमिटी है और 157 व्हाट्सएप ग्रुप पर 35000 मेंबर पंजीकृत हैं। पिछले 2 वर्षों से लगातार हर सप्ताह रविवार को साप्ताहिक मीटिंग होती है, जो अभी 2 साल के अंतराल में 80 साप्ताहिक मीटिंग के हो चुकी है जिसमें व्यापारी भाइयों की 9025 समस्याओं के आवेदन पर सुनवाई हुई है और सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन के पंच पैनल जिसमें 20 पंचों का समावेश है उनके द्वारा 975 आवेदनों का समाधान करवाया गया है व्यापारियों के हित में और सूरत के व्यापारी भाइयों की 2 साल में अभी तक संगठन के द्वारा लगभग 45 करोड़ की रकम का समाधान करवाया गया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

अध्यक्ष नरेंद्र साबू ने बताया कि सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन की कार्यशैली केवल यही तक सीमित नहीं है इसके अलावा हर सप्ताह एसोसिएशन व्यापारी भाइयों के लिए सेमिनार करवाते हैं जिसकी मदद से व्यापारी अपना व्यापार सुरक्षित कर सके और नई ऊंचाइयों तक ले जा सके। सेमिनार में सूरत के बड़े उद्योगपति, चार्टर्ड अकाउण्टेंट्स, ऑनलाइन व्यापार के जानकार लीगल वकील, आदि को आमंत्रित किया जाता है। जिससे व्यापारियों को उनके अनुभव से तथा सरकारी योजनाओं का भी मालूम चले जिसका वह लाभ ले सकते हैं।

तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय ने अपने कोर कमेटी के सदस्यों का संक्षिप्त परिचय दिया। सके पश्चात मुख्य अतिथि श्री हरमित देसाई जी का सम्मान तथा उन्होंने अपने उदबोधन में बोला कि मैं पिछले 23 साल से टेबल टेनिस खेल रहा हूं और मेरा एक ही लक्ष्य है मेरे को इसकी सबसे बड़ी ऊंचाई पर पहुंचना है और मैंने मुकाम हासिल किया है। वहीं उन्होंने व्यापारी वर्ग को समझाया आप अपना लक्ष्य निर्धारित करें आपको सफलता जरूर मिलेगी। इनके बाद एसोसिएशन की जो दूसरी सम्मानित अतिथि श्रीमती रीना अजय मारू जो मार्केट के बड़े व्यापारी श्री अजय मारू की धर्मपत्नी है जो की बहुत बड़ी मैराथन रनर है अभी तक इन्होंने देश और विदेश में बहुत मैराथन दौड़ लगाई है और काफी इनाम हासिल किये हैं का सम्मान किया गया तथा उद्‌बोधन हुआ। तत्पश्चात देश के भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने थल सेना नौसेना एयरफोर्स में अपनी सेवा दी ऐसे पांच सैनिकों का भी सम्मान किया गया है।

भूतपूर्व सैनिकों ने आजादी का अमृत महोत्सव पर अपनी यादों को ताज़ा करते हुए सभी देशवासियों से अपने देश के प्रति कर्तव्यपरायणता की अपील की है। तदोपरान्त सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन कोर कमेटी के सदस्य श्री अशोक जी गोयल ने पधारे हुए भूतपूर्व सैनिकों के जज्बाती को सादर वंदन करते हुए देश के सैनिकों के सम्मान में कविता पाठ किया। उत्सव में शहर की जानी-मानी हस्तियों, विभिन्न संगठनों के प्रमुख तथा व्यापारीभाईयों ने परिवार सहित हिस्सा लिया है। सूरत मर्कैन्टाइल एसोसिएशन के प्रमुख श्री नरेन्द्र साबू ने सुरक्षा गार्ड के नेतृत्व में तथा मुख्य अतिथियों एवं अपार जनसमूह के सानिध्य में रिमझिम बारिश में माँ भारती के आजादी का अमृत महोत्सव के पावन पुनीत अवसर पवित्र ध्वजारोहण किया गया है। सभी ने राष्ट्र-गान तथा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया है। स्वागत की कड़ी में संगठन ने मानव सेवा संघ छायडू के श्री भरत भाई शाह व उनकी टीम का भी स्वागत व सम्मान किया गया।

इस भव्य कार्यक्रम सफल बनाने में श्री आत्माराम बाजारी, श्री अशोक गोयल, श्री सुरेंद्र अग्रवाल, श्री अशोक बजारी, श्री महेश पाटोदिया, श्री राजकुमार चिरानिया, श्री हेमंत गोयल, श्रीदुर्गेश टिबडेवाल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री राजीव उमर, श्री दीपक अग्रवाल, श्री विजय कोटरीवाल, श्री कमलेश भाई जैन, श्री संजय अग्रवाल, श्री राजेश गुरनानी, श्री रामकिशोर बजाज एवं एसोसिएशन के मार्केट कोर कमेटीयो के सदस्यों की दिन-रात की मेहनत का सहयोग रहा है।

टेक्सटाइल मिरर

हेड ऑफिस
'मिरर हाउस' डी-297/2,
पन्नाधाय सर्कल के पास, आजाद नगर
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मोबाइल : 9829085976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

संस्थापक
श्री रामगोपाल शर्मा

प्रधान संपादक
गोविन्द नारायण शर्मा

मुंबई एसोसिएट
कीर्ति दवे

संपादकीय सलाहकार

श्री रमेश जी पोद्दार
सियाराम सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री राजेन्द्र जी अग्रवाल
मैनेजिंग डायरेक्टर
डोनियर इण्डस्ट्रीज, मुंबई

श्री जी.डी. राठी जी
एसजीएस सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री सुनील जी टिबरेवाल
क्यूमेक्स वर्ल्ड, मुंबई

श्री देवकीनंदन जी जिंदल
चैयरमेन, बजाज ग्रुप-मुंबई

श्री नरेश जी (मीनु) अग्रवाल
डायरेक्टर-चिनार सिन्टेक्स लि. (भिवानी)

श्री शरद जी टण्डन
एसटण्डन कंसल्टिंग, मुंबई

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक गोविन्द नारायण शर्मा द्वारा मिरर हाउस, डी-297/2, आजाद नगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित एवं रेनबो ऑफसेट प्रिण्टर्स, बी-3, सुदर्शनपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर से मुद्रित। संपादक-गोविन्द नारायण शर्मा, फोन- 98290 85976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

सभी विवादों हेतु न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही है।

एमएसएमई सेक्टर को सामुहिक प्रयासों से बचाना होगा

पानीपत

वर्तमान परिस्थितियों में देश का खुदरा व्यापार दिन-ब-दिन खत्म होता जा रहा है, जिसका मुख्य कारण ऑनलाईन व्यापार है, ये बात राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीअमित गुप्ता ने प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। श्री अमित गुप्ता ने कहा कि ई-कॉमर्स देश के खुदरा व्यापार के लिए मीठा जहर का काम कर रहा है। 2008 में ऑनलाईन व्यापार 200 करोड़ रूपए का था और आज यह 2022 मार्च तक यह व्यापार 620000 लाख हजार करोड़ का पहुंच गया है जिससे आज पूरे देश में खुदरा व्यापार की 6.5 प्रतिशत दुकानें बंद हो गई है। 14 प्रतिशत कुटीर उद्योग पूरे देश के बंद हो गए हैं, गृह मंत्रालय की एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में प्रतिदिन 47 से अधिक व्यापारी आत्महत्या कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित गुप्ता ने कहा कि जहां खुदरा उद्योग बंद हो रहे हैं और छोटे व मझले व्यापारी आत्महत्या कर रहे हैं वही आरबीआई के द्वारा देश के कुछ उद्योगपतियों को 2018 में 161328 करोड़, 2019 में 236265 करोड़, 2020 में 234170 करोड़ रूपए राइट ऑफ कर दिया गया। वहीं बड़ी-बड़ी विद्युत वितरण करने वाली डिस्कॉम कंपनियों का बकाया माफ कर दिया है, लेकिन इस कोरोना काल में छोटे-छोटे व्यापारियों का ना तो बिजली का फिक्स चार्ज माफ किया गया और ना ही उनके लोन की कर्ज माफी की गई। उन्होंने कहा कि आज देश का व्यापारी कठिनाई के दौर से गुजर रहा है। इसलिए केन्द्र सरकार देश के खुदरा व्यापार को सुरक्षित व संरक्षित करने के लिए लिए ई-कॉमर्स कंपनियों पर अतिरिक्त कर का प्रावधान करें व खुदरा व्यापार मंत्रालय का गठन करें।

पत्रकारवार्ता के दौरान संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री अशोक बुवानीवाला ने कहा कि देश का एमएसएमई सेक्टर जीडीपी में 30 प्रतिशत का तथा निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान है तथा देश में 95 प्रतिशत इंडस्ट्री छोटी, कुटीर व सूक्ष्म लघु उद्योग की है। ये 11 करोड़ एमएसएमई सेक्टर तथा खुदरा व्यापारी मिलकर देश में 43 करोड़ असंगठित क्षेत्र में रोजगार पैदा करने का काम करते है। लेकिन केन्द्र व राज्य सरकार की अनदेखी की वजह से इन उद्योगों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। आज देशभर में उत्पन्न हुआ रोजगार संकट कहीं न कहीं इन उद्योगों की वजह से ही इतने विकराल रूप में खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर एमएसएमई को मजबूत करने के लिए जितना हो सकें सहूलियतें प्रदान करनी चाहिए ताकि लघु व सुक्ष्म उद्योग के साथ बेराजगारी की समस्या पर भी काबू पाया जा सके।

श्री संतोष मंगल ने कहा कि भारतीय उद्यमियों के हौसलें बुलंद करने के लिए केन्द्र सरकार को नई संभावनाओं को खोजना होगा। क्योंकि आज विश्व एक ऐसा बाजार ढूंढ रहा है जो राजनैतिक रूप से स्थिर और आर्थिक रूप से प्रगतिशील है। ये भारत के लिए एक अनूठा अवसर है क्योंकि हम ये दोनों जरूरतें पूरी करते हैं और बड़े पैमाने पर वैश्विक निवेश और टेक्नोलॉजी को अपने यहाँ आकर्षित कर सकते हैं। हमें इस मौके का लाभ उठाने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष श्री गुलशन डंग ने कहा कि जीएसटी काउंसिल द्वारा हाल ही में हुई अपनी बैठक में पैक किए अथवा लेबल लगाए गए सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों एवं कुछ अन्य वस्तुओं को जीएसटी काउंसिल के निर्णय को लागू करने से देश के खाद्यान्न व्यापारियों में बेहद निराशा है। क्योंकि इससे आम सामान की कीमत पर बड़े ब्राण्ड का कारोबार बढ़ेगा। इसलिए छोटे व्यापारियों के हितों को देखते हुए सरकार को ये फैसला वापिस लेना चाहिए। संगठन के उपाध्यक्ष श्री संजीव चौधरी ने कहा कि प्रदेश की बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था को देखते हुए पुलिस विभाग की गाड़िया को नि:शुल्क या उधार में पेट्रोल नहीं दिया जाएगा क्योंकि जब पुलिस की सहायता करने वाले पट्रोल पंप ही अपराधियों से सुरक्षित नहीं है तो पुलिस के सहयोग की आवश्यकता ही क्या है।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के श्री विनोद खंडेलवाल ने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग पर नगर निगम द्वारा ट्रेड टेक्स लगाना निंदनीय है, जिसकी हम भर्तस्ना करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले से ही नुकसान में चल रहे टेक्सटाइल उद्योग पर इस तरह का टेक्स लगाना इस उद्योग को बर्बाद कर देगा। इस मौके पर श्री पवन अग्रवाल, श्री संजय गोयल, श्री जितेश जैन, अमरनाथ गुप्ता, श्री तरसेम बंसल, श्री रिषभ जैन सहित अनेक व्यापारी नेता मौजूद रहे।

विदेशों में फेब्रिक्स आदि में विंटर सीजन

सम्पन्न अब समर की बुकिंग प्रारम्भ

सूरत

विश्वव्यापी कोविड महामारी के दौरान सम्पूर्ण विश्व में कारोबारी कमजोरी से आर्थिक संकट के हालात बन गए हैं। समीपवर्ती श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान यहां तक बांग्लादेश, ईरान आदि देश असीमित संकट के दौर से गुजर रहे हैं इस कारण टेक्सटाइल्स उद्योग भी प्रभावित हुआ है। तमाम दुश्वारियों के बावजूद भारतीय कपड़ा उद्योग सम्भला हुआ है। कपड़ा निर्यातक श्री विनय पारख के अनुसार चीन से उपजा कोरोना सम्पूर्ण जगत में पांव पसार गया व सभी को तबाही के कगार पर पहुंचा गया व चीन खुद भी अनेक समस्याओं से गिर गया। ताइवान झंझट तथा अन्य संकटों से चीन जूझ ही रहा है इससे वहां की टेक्सटाइल्स इंडस्ट्रीज भी प्रभावित हुई है। इसके चलते भारतीय टेक्सटाइल्स उद्योग की अलबत्ता पूछपरख बढ़ गई हैं। बांग्लादेश जो रेडीमेड गारमेंट में सम्पूर्ण विश्व स्तर पर अग्रणी बना हुआ हैं, अब भारतीय टेक्सटाइल्स की अनेकों किस्में बांग्ला देश में प्राथमिकता के साथ मांगी जाती हैं। श्री पारख ने बताया कि भारतीय टेक्सटाइल्स इंडस्ट्रीज बंगला देश को कॉटन आधारित ग्रे व फेब आपूर्ति बड़े पैमाने पर कर रहा है जिसमें डेनिम, केम्ब्रिक, मलमल, वॉयल, पापलीन आदि कॉटन किस्में मुख्य हैं। हालांकि कपड़ा ग्राहकी इतनी दमदार तो नहीं है फिर भी लड़खड़ाई टेक्सटाइल्स इंडस्ट्रीज अब सम्भलने की स्थिति में पहुंच गई हैं। श्री पारख के अनुसार सूरत से बी एस वाई शर्टिंग कपड़े की डिमांड बनी हुई है। ये कपड़ा क्रेप फ्रेंच टाइप है। बताया जाता है कि कुछ माह पूर्व कॉटन में विश्वव्यापी तेजी थी लेकिन अब स्थिरता बनी हुई हैं। श्री पारख के अनुसार सम्पूर्ण जगत में विंटर (सर्दियों) की सीजन पूर्ण हो गई है अब समर गर्मी की सीजन चल रही हैं। समर में तिरुपुर, इरोड, कोयम्बटूर जैसी दक्षिण भारतीय ग्रे व फेब्रिक्स उत्पादक मंडियां तथा इचलकरंजी, भिवंडी, अहमदाबाद आदि की टेक्सटाइल्स इकाइयों से उत्पादित ग्रे व फेब्रिक्स की मांग प्रारम्भ हो गई हैं। ये उल्लेखनीय हैं कि भारत टेक्सटाइल्स ग्रे व फेब्रिक्स का उत्पादक देश है जिसकी प्रतिस्पृर्धा लागत को लेकर बांग्लादेश से हैं, हालांकि बांग्लादेश उत्पादक देश की बजाय रेडीमेड गारमेंट में सिलाई आदि का बड़ा केंद्र है। दुनिया का कोई ऐसा रेडीमेड गारमेंट ब्रांड नहीं है जिसका उत्पादन बांग्लादेश में न होता हो, बांग्लादेश में वॉल मार्ट, प्यूमा जैसे ख्यातनाम ब्रांड के रेडीमेड गारमेंट तैयार होते हैं। बताया जाता है बांग्लादेश में रेडीमेड गारमेंट से 40 लाख से ज्यादा श्रमिक जुड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश मे तकरीबन 5500 फैक्ट्रियों में सवा लाख के करीब टीशर्ट तैयार होते हैं। इसके अलावा स्वेटर, ट्राउजर, मैंस, वुमेन्स शर्ट आदि गारमेंट तैयार होते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बांग्लादेश

शेष पृष्ठ-..12..पर

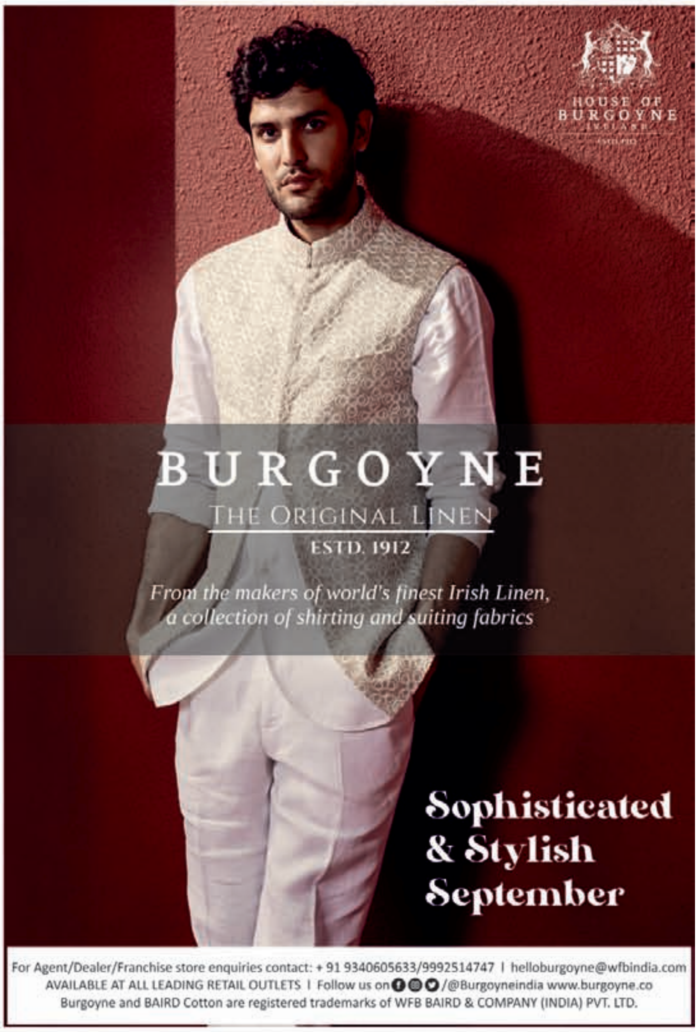

'विशाल टेक्सटाइल' के बैनर तले ख्याति एक्सपोर्ट का बढता कारवां एक ही छत के नीचे

मुंबई/ महानगर के मुलुंड पश्चिम स्थित सर्वोदय नगर परिसर क्षेत्रन्तर्गत धरम बिल्डिंग के बी विंग रूम नं 306 से कपड़ों के कारोबार को एक नये आयाम पर पहुँचाने वाले प्रख्यात कपड़ों के निर्माता, आपूर्तिकर्ता, एक्सपोर्टर तथा इंपोर्टर सेवाओं के प्रोप्राइटर मोहनलाल शाह एक्सपोर्ट फैब्रिक, गारमेण्ट सरपल्स के साथ-साथ कपड़ों की तमाम वैरायटीयों वाले लॉट का स्टॉक रखते व आपूर्ति करते हुए पूरे महानगर सहित देश के काफी कपड़ों के खरीददार व कारोबारीजनों पर अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। जिसकी कामयाबी और इतनी बड़ी उपलब्धि के विषय पर बात करने के सिलसिले में टेक्सटाइल मिरर के ब्यूरो चीफ आर बी सिंह को श्री शाह ने बताया कि आज से लगभग 34 वर्ष पहले जब मैंने इस कारोबार की शुरूआत की तो समय बदलते देख एक ही छत के नीचे तमाम तरह की सुविधाएँ देने की ठान ली जो मेरी मेहनत व लगन तथा जज्बे से हासिल हुआ।

हालांकि पिछले दो वर्षों से देश-विदेश में आए हुए कोविड-19 के प्रकोप के बाद से मार्केट में लेन-देन का व्यवहार आदि बहुत बदल गया है फिर भी हम अपने कारोबार को गति देने में सदैव अग्रसर रहते हैं जिन सभी सुविधाओं तथा ग्राहकों के भरोसे के बदौलत हमारे व्यवसाय को अब खूब रफ्तार मिलने लगी है।

7 दशक से हैंडलूम व खादी कपड़े के कारोबार में अग्रणी 'श्री कृष्णा सिल्क मिल'

मुंबई/ महानगर का मशहूर और फिल्मी सितारों का चुनिंदा तथा पसंदीदा स्थान बांद्रा के अंतर्गत आने वाली पाली हिल की बात ही निराली है। जिसके अंबेडकर रोड परिसर में सुसज्जित 'श्री कृष्णा सिल्क मिल' पिछली सदी के 1950 से भागलपुरी सिल्क, वाराणसी सिल्क, बैंगलोर व भीलवाड़ा आदि में निर्मित सिल्क की साड़ी एवं गुणवत्ता वाले कपड़ों की बिक्री की सेवाओं के जरिए महानगरवासीयों सहित देश-विदेश के खरीददार ग्राहकों को खूब लुभा रहा हैं।

बातचीत के दरम्यान उक्त प्रतिष्ठान के प्रोप्राईटर श्री-कृष्ण झुनझुनवाला जिनका पैतृक गांव भागलपुर बिहार भी है उनसे जानकारी मिली कि 1948 में देश की आजादी के बाद 1949 से मुंबई के इस पॉश इलाका बांद्रा में धीरे-धीरे फिल्मी कलाकारगण अपना डेरा और जमघट जमाने लगे। यहां के फिल्मी स्टूडियो में फिल्मी शो के छायांकन के बदौलत तमाम तरह के परिधानों की जरूरतें पड़ने लगी इन्ही सब के ध्यानार्थ मेरे पिताश्री ने श्री कृष्णा सिल्क मिल की स्थापना 1950 में कर दी। जहां से आज भी उत्तम, उम्दा और गुणवत्ता वाली कपड़ों के वेरायटीयों की बिक्री सेवाएं बदस्तूर जारी है।

हैंडलूम और खादी वस्त्रों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए श्री झुनझुनवाला ने मुंबई के अलावा देश की राजधानी न्यू दिल्ली तथा रेशम सिल्क का मैनचेस्टर उद्योग नगरी बिहार राज्य के भागलपुर में भी अपनी शाखाओं के जरिए इस तरह के क्वालिटियों वाले कपड़े ग्राहकों काफी किफायती दरों में मुहैया कराने लगे हैं।

जो सिल्क मार्क ऑर्गेनाईजेशन ऑफ इंडिया के सीओए सदस्य भी है। जिस कारण अभी भी इनकी कपड़ों की क्वालिटी के मद्देनजर तथा इनकी मुश्तैदी के साथ सेवाओं और ग्राहकजनों के भरोसों के बदौलत इनकी अधिकाधिक बिक्री बरकरार है।

कपड़ा बाजार एवं कपास की नगरी में 'मुथ्था शांतिलाल सन्स' का विश्वसनीय नाम

महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले वर्धा जिला स्थित हिंगणघाट तहसील के अंतर्गत जूनी स्टेट बैंक रोड पर स्थित कपड़ों का वह होलसेल एंड रिटेल मर्चेंट 'मुथ्था शांतिलाल सन्स' आज कपड़ा बाजार के अंतर्गत बिकने वाले सूटिंग-शर्टिंग, पसंदीदा साड़ी, लहंगा चौली तथा सभी प्रकार के ड्रेस मटेरियल आदि की बिक्री सेवाएं देने वाला एक नामचीन ब्रांड बन चुका है।

जिस कारोबार को इस प्रतिष्ठान के प्रोपराईटर श्री विजय मुथ्था तथा उनके सुपुत्र तकरीबन पिछले दो दशक से भी अधिक समय से अपनी पूरी निष्ठा, लगन व मेहनत से संभाल रहे हैं। जिसमें दर्जनों से भी अधिक लोगों को सहयोगीजनों के रूप में रोजगार भी मिला है जिन सबके मुश्तैद सेवाओं के बदौलत खरीददार ग्राहक बंधुजनों का बेवजह समय जाया नहीं होता।

गौरतलब हो कि राज्य के नागपुर जिले के चौहद्दी से सटे अगल-बगल के अधिकांश जिलों का ताल्लुक विदर्भ क्षेत्र परिसर से रहता है जिन जिलों में बहुतायत मात्रा में कपास की खेती होती है जिस वजह से इन सबको कपास की नगरी भी कहा जाये तो कोई अतिशयोक्ति नहीं।

जिन सबके प्रचुर उत्पादन के ध्यानार्थ ही श्री विजय मुथ्था ने सन 1991 में अपने इस प्रतिष्ठान की स्थापना की और सभी को कपड़े की तमाम वेरायटीयों वाले होलसेल व रिटेल बिक्री सेवाएं देने को ठान लिया, जो सेवाएँ अभी तक भी अनवरत जारी है। जिन सबके साथ-साथ ये मुथ्था शांतिलाल एंड सन्स के प्रोप्राईटर समाजसेवा के क्षेत्र से भी जुड़े हुए हैं जो किसी जनहित राजनीतिक पार्टी के बैनर तले अपनी समाज सेवाएं भी देते रहते हैं जिनके जज्बे व जुनून के मद्देनजर अभी भी हजारों ग्राहकों को इनके ऊपर भरपूर भरोसा कायम है।

श्राद्ध पक्ष के चलते शुभ एवं मांगलिक कार्यों पर विराम

नवरात्रों से ही लौटेंगीग्राहकी की रौनक

जे. पी. शर्मा
गंगापुरसिटी

सीनीय समेत आस-पास कपड़ा बाजार में 10 सितंबर से श्राद्ध पक्ष के चलते सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों को विराम लग गया है। 25 सितंबर तक श्राद्ध पक्ष के चलते कपड़ा बाजार समेत सभी वस्तु बाजारों में यही स्थिति बनी रहने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान पुरुष/महिला उपभोक्ता किसी भी प्रकार का नया कपड़ा समेत अन्य परिधानों समेत सभी वस्तु बाजारों में ग्राहकी को ग्रहण लग गया है। बहरहाल कपड़ा बाजार में नवरात्रा 26 सितंबर से आगामी त्योहारी सीजन के लिए कपड़ा कारोबार में सुधार होने की संभावना है। जो दिसंबर तक बनी रहेगी। व्यापारियों के अनुसार रिटेल स्तर पर बिक्री का अभाव रहने से थोक बाजार में अभी तक कारोबार कमजोर चल रहा है। आगामी प्रमुख त्योहारी सीजन को लेकर डिस्प्ले में बुकिंग अभियान अंतिम दौर मे चल रहा है।

दीपावली के आसपास खरीफ फसलें मंडियों में बिकने के लिए आना शुरू हो जाएगी। इसी के साथ कपड़ा बाजार में ग्राहकी की रौनक दिखाई देना शुरू हो जाएगी। इन दिनों स्कूल यूनिफॉर्म फैब्रिक्स में पूछपरख बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि बरसात के चलते किसान खेती बाड़ी के काम में लग गए हैं। वहीं थोक व खुदरा बाजारों के व्यापारी आगे त्यौहारी एवं विंटर सीजन की तैयारी में लग गए हैं। व्यापारियों के अनुसार ग्राहकी में गिरावट के साथ ही भुगतान की आवक भी सीमित रह गई है। गंगापुरसिटी समेत आसपास कपड़ा बाजार में अपेक्षा के अनुरूप कारोबार नहीं चल पाया। फिलहाल सूटिंग-शर्टिंग, रेडीमेड गारमेंट्स समेत महिला परिधानों में ग्राहकी नगण्य है।

मैसर्स राहुलकुमार रजतकुमार थोक विक्रेता के संचालक जितेंद्र बजाज, राहुल बजाज, मैसर्स इंडियन क्लॉथ स्टोर के संचालक भविष्यकुमार एवं प्रमोदसागर, मैसर्स मोतीलाल लक्ष्मीनारायण के संचालक संजय गोयल एवं नितिन गोयल, मैसर्स दामोदरलाल गुप्ता क्लॉथ मर्चेंट के संचालक दामोदर बजाज एवं गोपाल बजाज, मैसर्स ए वन क्लॉथ स्टोर के संचालक अनवर खान एवं अकबर खान, मैसर्स श्री श्याम गारमेण्ट्स के संचालक नंदकिशोर गुप्ता एवं पंकज गुप्ता मैसर्स पंकज गारमेंट्स के संचालक रोहित सिंघल ने बताया कि सूटिंग शर्टिंग में अधिकांशत किस्मों में कारोबारी गतिविधियां धीमी हो रखी है और फिलहाल कारोबार धीमा रहने की संभावना है। पिछले सप्ताह हुई बरसात ने खरीफ फसलों के लिए अमृत का काम किया है। यदि मौसम फसलों के अनुरूप रहा तो बम्पर पैदावार उतरेगी।

व्यापारियों का कहना है कि ग्राहकी नवरात्रा शुरू होने से पहले तक कारोबार कमजोर ही रहता है। इसके बाद बाजार में मूवमेंट आरंभ हो जाता है। जो ग्राहकी दिसंबर तक अच्छी रहती है। टेक्सटाइल व्यापारियों ने आगामी सीजन की तैयारी शुरू कर दी है।

साड़ी- श्राद्ध पक्ष के चलते आम जनमानस अमूमन नई खरीदारी करने में हिचकते हैं। उल्लेखनीय है कि अब अगले प्रमुख त्योहारों जैसे कि नवरात्रि, दुर्गापूजा, दशहरा, करवा चौथ, दीपावली, छठ पूजा आदि लगभग एक पखवाड़े पहले प्रस्तावित है। जिसमें साड़ियां, लहंगा, चुनरी लांचा में नॉन ब्राण्डिंग में पूछपरख शुरू हो जाने की संभावना है। आगामी सीजन में कारोबारी गतिविधियां इनमें बढ़ने की संभावना है। बहरहाल वहीं साड़ियों में मंदा होने से कारोबारी मायूस दिखाई दे रहे हैं। वहीं लेडीज सूट दुपट्टा में सीमित मांग बनी हुई है। जिसमें आगे सुधार होने की संभावना है। जिसको लेकर व्यापारी पूर्णरूपेण सजगता बरत रहे हैं।

रेडीमेड गारमेंट्स- रेडीमेड मालों में ग्राहकी समेत लेडीज जेंट्स एवं बच्चों के सभी प्रकार के गारमेण्ट में मांग सीमित है। जेंट्स में शर्ट ट्राउजर, कुर्ता-पजामा एवं नाइट सूट आदि सभी गारमेण्ट में मामूली पूछपरख बनी हुई है। आशा है कि कोरोना पाबंदियों के चलते 2 साल सूने रहे बाजार इस वर्ष गुलजार होंगे। कुछेक प्रमुख कपड़ा व्यापारियों के अनुसार कपड़ा कारोबार अच्छा रहने की संभावना है।

विज्ञापन फीस के नोटिसों की प्रतियां जलाकर व्यापारियों ने किया विरोध-प्रदर्शन : नगर परिषद के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

राजकुमार शर्मा
सीकर

शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर प्रतिष्ठानों के नाम एवं डीलरशिप की सूचना के होर्डिंगों की विज्ञापन फीस जमा कराने के लिए नगर परिषद, सीकर के अधिकृत ठेकेदार डिस्कवरी आउट-सोर्स द्वारा व्यापारियों को दिए जा रहे डिमांड नोटिसों को लेकर व्यापार संघ संघर्ष समिति, सीकर के तत्वावधान में व्यापारियों ने सुभाष चौक में इन नोटिसों की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने नगर परिषद प्रशासन तथा ठेकेदार डिस्कवरी आउट सोर्स के खिलाफ नारेबाजी की तथा व्यापारी एकता जिंदाबाद के उद्घोष के साथ इन नोटिसों की प्रतियां जलाई।

इससे पहले सुभाष चौक स्थित गढ़ परिसर के भवन में व्यापारियों की एक आपात मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें इस मुद्दे को लेकर विधि-सलाहकारों से कानूनी राय लेने, डिमांड नोटिसों की राशि जमा नहीं करवाने, व्यापारियों पर थोपे जा रहे अनावश्यक आर्थिक बोझ के इन नियमों को निरस्त करवाने, संघर्ष समिति की कोर-कमेटी बनाकर संघर्ष और आंदोलन करने तथा नगर परिषद आयुक्त से पुन: मिलकर लिखित में कंपनी के नाम आदेश निकलवाने का निर्णय किया गया। इसको लेकर व्यापार संघ संघर्ष समिति का 21 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल नगर परिषद आयुक्त से मिलकर अपनी मांगों को दोहराएगा और ठेकेदार को निर्देश देने के लिए लिखित आदेश की मांग करेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 1 सितंबर को व्यापार संघ संघर्ष समिति का 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल नगर परिषद आयुक्त से मिला था तथा अपनी मांगों को उनके सामने रखा था। जिस पर नगर परिषद आयुक्त ने सहमति जताते हुए आश्वासन दिया था कि वे इस संबंध में ठेकेदार को निर्देशित करेंगे।

किंतु ठेकेदार उनके निर्देशों को नहीं मानते हुए लगातार व्यापारियों को नोटिस दे रहा है। इसको लेकर व्यापारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त हैं।

मीटिंग और नोटिस की प्रतियां जलाने के विरोध-प्रदर्शन के दौरान रूघजी चौधरी, राजकुमार धूत, संजीव नेहरा, दिनेश सिंह जाखड़, जसबीर सिंह चौधरी, नितेश पारमुवाल, देवकीनंदन पारीक, दिनेश बियानी, गौरव सोमानी, आलोक बियानी, अभिषेक मोर, सुनील कुलहरि, राधेश्याम पारीक, गीगराज सोनी, आशीष काबरा, लालचंद जांगिड़, कुलदीप शेखावत, साबिर बिसाती, दीनदयाल शर्मा, काशी प्रसाद माऊका, रुपाराम शेषमा, राजन मरेठिया, मोहम्मद परवेज, प्रेम प्रकाश वर्मा, विकास कुमावत, मनीष बगड़िया, मनीष बियानी, अशोक काबरा, अमित, मुकेश शर्मा, विकास ढ़ाका, संदीप खंडेलवाल, अशोक गुर्जर, इरशाद गौड़, शुभम शर्मा, सोनू घोघलिया, हेमराज कुमावत आदि अनेक व्यापारी उपस्थित थे। मीटिंग का संचालन नितेश पारमुवाल ने किया।

क्या आपको वस्त्र उद्योग की उपयोगी जानकारी चाहिए ?

Textile Mirror
• Digital Edition
Available
Only 199/- Yearly
Hurry up!
Book Now
: 96024 30777
Follow us on

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री शिव प्रसाद पांडेय

स्वर्गवास 31 अगस्त 2022

टेक्सटाइल क्षेत्र के जाने-माने रिपोर्टर श्री रमाशंकर पाण्डेयजी के पिता श्री शिव प्रसाद पाण्डेय का स्वर्गवास 31 अगस्त 2022 को हो गया। इनकी पत्नि का स्वर्गवास वर्ष 2016 में ही हो गया था। श्री पाण्डेयजी बहुत ही कर्मठ और दूसरों की हमेशा मदद करने में तत्पर रहे हैं इनके पांच लड़के और एक लड़की सहित कुल 6 संतानें हैं। ईश्वर पाण्डेय परिवार को यह गहरा आघात सहन करने असीम शक्ति प्रदान करें।

श्रद्धानवत्

टेक्सटाइल मिरर

कारोबारी गतिविधियों में सुधार लेकिन उत्साह कमजोर

नई दिल्ली

फेस्टीवल दशहरा- दीपावली एवं विंटर के वैवाहिक सीजन के लिए कारोबार में सुधार हो रहा है और टेक्सटाइल उत्पादन एवं विपणन केन्द्रों पर चहल-पहल आरंभ हो गई है लेकिन कारोबारियों में अभी उतना जोश नहीं दिखाई दे रहा है जितना इन दिनों होगा चाहिए था जबकि इस सीजन से निर्माता-व्यापारी बहुत उम्मीद लगाए हुए हैं।

दशहरा एवं दीपावली का फेस्टीवल सीजन नजदीक आ गया है इसके बावजूद टेक्सटाइल एवं गारमेण्ट में भरपूर काम काज नहीं होने से कारोबार अपेक्षा से कम हो रहा है। दरअसल रिटेल स्तर पर लम्बे समय से बिक्री कमजोर रहने की वजह से बाजार में उत्साह का संचार धीरे-धीरे हो रहा है फिरभी आगे सीजन को देखते हुए उत्पादन एवं विपणन केन्द्रों पर आवाजाही बढ़ने लगी है। अभी तक दिसावरी ग्राहकों का आगमन कम है और खरददारी भी सीमित है।

इस बार कारोबार का वोल्यूम कम है क्योंकि खरीददारी के लिए आने वाले व्यापारियों में वैसा उत्साह एवं जोश नहीं है, जैसा इन दिनों होना चाहिए था। दरअसल देश भर के खुदरा बाजारों में लम्बे समय से बिक्री कमजोर चल रही है जिससे पैसे की भारी तंगी है।

एसोसिएशन ऑफ होलसेल रेडीमेड गारमेण्ट डीलर्स, अशोक बाजार के अध्यक्ष श्री कंवल कुमार बल्ली के अनुसार ग्राहकों का ज्यादा रिस्पोंस नहीं मिल रहा है। रिटेल में अभी सन्नाटा है। व्यापारी एवं आम लोगों की खरीद शक्ति कमजोर है। विंटर के माल का स्टॉक करने में व्यापारियों में जोश नहीं है। कमजोर कारोबार से सभी परेशान हैं। जो माल जा भी रहा है, उसका भुगतान नहीं आ रहा है।

फैब्रिक्स निर्माता बाजार में घूम रहे हैं। निर्माताओं को भी अपेक्षित ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। व्यापारी हैण्ड टू माउस वाला काम करना चाहता है। अर्थात जब बिक्री चलेगी, तभी नया माल लेंगे। कोरोनाकाल के दौरान लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की आदत पड़ गई है इसलिए लोग बाजार में खरीददारी के लिए कम आते हैं। ऑनलाइन का पैसा कॉर्पोरेट सेक्टर की चुनिंदा कम्पनियों को जाता है इसलिए बाजार में पैसे का सर्कुलेशन भी कम है। छोटा व्यापारी परेशान है। किराए की दुकान नहीं चल पा रही है।

आगामी फेस्टीवल एवं विंटर सीजन के लिए ग्राहकी खुली है। उत्पादन केन्द्रों से नए मालों की चालानी हो रही है। नवरात्रों से बाजार में पूरी रौनक लौटने की संभावना है।

व्यापारियों के अनुसार लम्बे समय से ग्राहकी कमजोर रहने से बाजार में जो सन्नाटा पसरा हुआ था, वह टूटा है। यद्यपि अभी पूरी ग्राहकी नहीं है फिरभी उम्मीद की जा रही है कि जैसे-जैसे रिटेल में बिक्री बढ़ेगी, थोक स्तर पर भी ग्राहकी जोर पकड़ेगी।

टेक्सटाइल उद्योग ने गुणवत्ता नियंत्रण की तैयारी के लिए समय मांगा

नई दिल्ली/ टेक्सटाइल उद्योग ने भारतीय मानक ब्यूरो से टेक्सटाइल उत्पादों की गुणवत्ता नियंत्रण की तैयारी के लिए समय मांगा है। इसके लिए भारतीय कपड़ा उद्योग महासंघ ने गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर जागरुकता के लिए वेबिनार का भी आयोजन किया है।

भारतीय मानक ब्यूरो राष्ट्रीय कार्य योजना 2022-27 के अगले संस्करण को तैयार करने की प्रक्रिया में है और टेक्सटाइल उद्योग के गुणवत्ता बेंचमार्क को मजबूत करने के लिए इन विकासों की प्रतीक्षा कर रहा है।

भारतीय कपड़ा उद्योग महासंघ ने उद्योग में जागरुकता पैदा करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से एक वेबिनार आयोजित किया है जिसमें उद्योग ने टेक्सटाइल मूल्य श्रंखला के लिए नए गुणवत्ता मानकों की प्रमाणन प्रक्रियाओं को प्राप्त करने में लगने वाले समय और लागत पर चिंताओं को उठाया और इन्हें पूरा करने के लिए समय मांगा है। इस वेबिनार में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि मानक और गुणवत्ता नियंत्रण उद्योग के लिए जरुरी हो गए हैं क्योंकि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आयात कई गुणा बढ़ गया है और इसलिए देश में ऐसे नियंत्रण रखना जरूरी हो गया है।

पोपलीन के रेडी मालों में डिमाण्ड

पेटीकोट में आंशिक उत्पादन

बालोतरा

गर्मी की सक्रियता पुन: उजागर हो गई है। मौसम बादली के साथ सूर्य ताप की प्रखरता से रंग बदलने की स्थिति में समाया हुआ है। बाजार का रुख परिवर्तित हो गया है। उत्पादक माल शॉर्ट न हो जाये इसलिये ग्रे क्लॉथ खरीदने की ओर बढ़ रहे हैं। यकायक स्थानीय उत्पादनों की मांग में बढ़ोतरी होने से उद्यमियों के मन-मस्तिष्क में आगे व्यापार अच्छा चलने की मंशा में बढ़ोतरी हो चली है। पोपलीन के रेडी माल की डिमाण्ड बढ़ने के साथ शीघ्र माल चालानी के तकादों के चलते औद्यागिक एवं व्यावसायिक प्रक्रियाएं गति पकड़ रही है। ग्रे क्लॉथ की स्थिति होने से सौदों की पूछपरख बढ़ गई है। सिंथेटिक रोटो ब्लेक और व्हाइट के रेडी माल की मांग में अच्छा ईजाफा देखने को मिल रहा है। पेटीकोट उत्पादकों के पास माल की कमी है, खरीददार उत्साह के साथ लेने को आतुर है। पेटीकोट उत्पादन हेतु मशीनों की संख्या पर्याप्त है, परन्तु लेबर की कमी चलते उत्पादन आंशिक ही लेने की मजबूरी है। नाइटी का उठाव जो सो गया था, उसमें अच्छी चेतना आई है। व्यापारियों के अलावा उपभोक्ताओं में अब क्वालिटी की परख आ गई है। सामान्य माल खरीदने वाले अपनी पसंद सीमा में ही रखते हैं। गुणवतायुक्त माल लेने वाले अच्छे से अच्छा ब्राण्ड का उत्पाद ही चयन करते हैं। फिलहाल नाईटी के भाव 115 रुपये बताये जाते हैं और इसमें काम भी हो रहा है। उत्तम किस्म की नाईटी के भाव रुपये 145 रुपये चल रहे हैं। ऐसे उत्पादकों का कहना है कि उनके माल में दम के आधार पर उनके पास अच्छे ऑफर, इतना कम्पीटीशन के बाद भी निरन्तर आ रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में पुन: जान आई लगती है। चहल-पहल व इन्द्र धनुषी रंगों से भरे वाहनों की आवाजाही इस बात की पुष्टि करते हैं।

एक प्रबुद्ध उद्यमी ने बताया कि बालोतरा एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ काम की कोई कमी नहीं है। बेरोजगारी का यहाँ कोई अस्तित्व नहीं है। बेरोजगार वह है, जो काम करना नहीं चाहते, जो श्रम से परहेज करते हैं। कई व्यक्ति अपनी सोच से नये उत्पादनों की ओर लग रहे हैं। उनमें हौंसला है और इस कारण वे समय को सदुपयोग कर अच्छा लाभार्जन भी कर रहा हैं। नवीन उत्पादनों के प्रति रूचि सम्पन्नता की सूचक है। समय की करवट बदलती लगती है। नये उत्पादनों के प्रति बढ़ती जिज्ञासा से लगता है। यह क्षेत्र गारमेण्ट में अच्छी ख्याति अर्जित करने में समर्थ बनेगा। टेक्नीकल टेक्सटाइल की ओर ध्यान गया है और प्रयास के साथ अनुसंधान भी हो रहे हैं। सरकारी सहयोग प्राप्त हुआ तो यहाँ समृद्धि का वट वृक्ष लग जायेगा। इस क्षेत्र में रिफायनरी के लगने से उसके सम्बद्ध कई उद्योग भीमकाय रूप में उपस्थित होने की सम्भवनायें प्रबल है। उद्यमियों को सस्ती बिजली मुहैया हो जाय तो यहाँ के उद्यमी हर कम्पीटीशन पर खरे उतरेंगे, क्योंकि यहाँ की आबोहवा में ही हिम्मत और हौंसला है।

सूती वस्त्रों का क्रेज कभी समाप्त होने का नहीं हैं। भविष्य में उत्पादन में कभी कीमतों की बढ़ी रेंज के कारण हो सकती है। पोपलीन के विकल्प भी बाजार में उपलब्ध हो रहे हैं। इस उद्योग में वे ही टिके रहेंगे जो नियामित रहेंगे। कॉटन फेब्रिक्स का भविष्य उज्ज्वल ही रहेगा, इसमें सन्देह नहीं है। इन दिनों धार्मिक व सामाजिक कार्यों के प्रति लोगों की जागरूकता विशेष परिलक्षित हो रही है। लम्पी रोग निवारण हेतु कई संगठन सराहनीय कार्य कर रहे हैं। स्थानीय विधायक ने विशिष्ट शिक्षा जगत के अध्यापकों को व शिक्षकों का सम्मान कर एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। सेवा के प्रति लोगों का ध्यान जा रहा है। नागरिक इस कार्य में स्वेच्छा से आगे आकर एक संस्कारित अध्याय जोड़ने को आतुर लग रहे हैं।

Colorband Dyestuff successfully hosted a Technical Seminar

Erode: Colorband Dyestuff Pvt. Ltd. successfully hosted a Technical Seminar on **"Polyester Blends for Activewear, Sportswear and Knits"** at Erode on the 20th August 2022. The venue for the seminar was D'Wayfarer Inn, Luxury Villa Resort, Erode and the knowledge filled session lasted for three hours from 6 pm to 9 pm. The seminar saw whole hearted and enthusiastic participation of around 65 key personnel's including owners, senior managers and lab technicians from the textile processing houses based at Erode, Perundurai and nearby locations. Colorband Dyestuff is one of the leading manufacturer of Textile Dyes & Speciality Auxiliaries from India since last 25 years and has expanded its global presence by exporting to more than 35 countries.

The event commenced with the customary lighting of the lamp and was followed by the introductory session on the growth path traversed by Colorband Dyestuff and overview about the varied product ranges of Dyes and Auxiliary and new products in the offing. The selection of cost effective specific trichromy(Disperse Dyes, Reactive Dyes, Acid Dyes , Direct Dyes) which passes stringent export norms was presented to the customers. Also recent developments in Cationic Dyeable Polyester with the process know how was shared with the attendees. The Garments made out of different fabric qualities processed with Colorband product packages were also displayed in the seminar.

The opening sessions were followed by an absorbing talk and in-depth presentation on the topic **"Optimistic Approach in Textile Coloration"**. The processing techniques & process overview of new generation synthetic Polyester Micro Fibres and pertinent features of Spandex/Elastane (Lycra) was elaborated for First Time Right Dyeing considering that these blends are very much in demand for Activewear& Sportswear.

The captivating event culminated with the Q&A session and the exchange and sharing of thoughts and ideas amongst the participants.

Specialist in Polyester Textured Yarn and Knitting Fabrics

VINAYAK CLOTHINGS PRIVATE LIMITED

Dealing in
* Texturised & Twisted Yarn and Knitted Fabrics
* Polyester Spun Yarn
* Polyester Viscose Yarn

F-73, A-wing, 1st Floor, Express Zone Mall, Near Patel Vatika, Off. Western Express Highway, Malad (East), Mumbai-400097
For Trade Enquiries : +91 9920099202, E-mail: info@vcpl.co.in

Not able to Export Due to Lack of Finance to extend Credit?

Without formalities, collaterals or deep dive financial papers.

Specially designed for MSME, if you have orders that require instant finance to extend credit of upto 120 days to your export buyers, Eximpe is the one stop shop for getting finance, best forex rates, smooth online paperless working.

Eximpe is a pathbreaking Fintech company, providing easy access to finance for exporters.

For more details, terms and conditions, reach out to Sharad Tandon (Senior Consultant)
Call: + 91 9322260941

विदेशों में फेब्रिक्स आदि...

पृष्ठ 5 का शेष

में मजदूरी दर कम होने से यहां दुनियाभर के रेडीमेड गारमेंट उत्पादक देशों के निर्माता अपने रेडीमेड गारमेंट तैयार करवाते हैं। बांग्ला देश में ढाका व चिटगाँग तथा उसके आस-पास ये रेडीमेड उत्पादक इकाइयां स्थापित है। हालांकि भारत ग्रे कपड़ा व फेब्रिक्स उत्पादक देश है लेकिन मजदूरी दरों व सिलाई में दक्षता के चलते बांग्लादेश पूरी दुनियां के रेडीमेड उत्पादकों का पसंदीदा सेंटर बना हुआ हैं, वहीं फेब्रिक्स में चीन अग्रणी बना हुआ है वहां फेब्रिक्स की अनेकों ऐसी किस्में है जिनमें कीमत की दृष्टि से चीन के समक्ष भारत टिक नहीं पा रहा है लेकिन अब दुनियां के अनेक देश भारत के फेब्रिक्स को पसंद कर रहे है व खरीद भी रहे हैं।

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर्स में घटत-बढ़त

Courtesy by ProShareHub BEST PROFIT IN BLUE CHIP STOCKS

TEXTILE COMPANIES LIST

S.NO.	COMPANY	FACE VALUE	PRICE AS ON 27/08/2022	PRICE AS ON 13/09/2022	change in %
1	AARVEE DENIMS	10	27.5	25.7	-7%
2	AK SPINTEX	10	62.5	66	6%
3	ALOK INDUSTRIES	1	19.9	20.35	2%
4	ARVIND LTD.	10	99.4	108.85	10%
5	ASHIMA	10	13.8	15.25	11%
6	BANSWARA SYNTEX	5	119.5	113.9	-5%
7	BOMBAY DYEING	2	102	104.8	3%
8	DAMODAR IND	5	52.6	54.35	3%
9	DCM	10	62.9	85.5	36%
10	DEEPAK SPINNERS	10	257	256	0%
11	DONEAR	2	54.2	60.6	12%
12	FILATEX INDIA	2	112	106.05	-5%
13	GARWARE TECH FIBERS	10	3319	3670.1	11%
14	GINI SILK	10	38	38.25	1%
15	GOKALDAS EXPORTS	5	365	361.75	-1%
16	INDO RAMA SYNTHETICS	10	62.4	60	-4%
17	JCT	2.5	3.49	3.69	6%
18	KAMADGIRI FASHIONS	10	70	68.85	-2%
19	LUX INDUSTRIES	2	1765	1882.05	7%
20	MAFATLAL	10	293	370.8	27%
21	MARAL OVERSEAS	10	66.8	68.65	3%
22	MORARJEE TEX	7	20.9	20.7	-1%
23	NAHAR SPINNING	5	354	359.4	2%
24	NITIN SPINNERS	10	211	231	9%
25	ORBIT EXPORTS	10	146	160	10%
26	RAJAPALAYAM MILLS	10	853	875	3%
27	RAYMOND	10	965	1010.45	5%
28	REL CHEMOTEX	10	194	201.85	4%
29	RSWM LTD.	10	421	371.3	-12%
30	RUBY MILLS	5	567	718.75	27%
31	SANGAM	10	329	334.9	2%
32	SH. DINESH MILLS	10	698	709.95	2%
33	SHEELA FOAM	5	2943	3070	4%
34	SHEKHAWATI POLY YARN	1	0.95	0.61	-36%
35	SIYARAM SILK	2	502	485.1	-3%
36	SUTLEJ	1	73.9	75.4	2%
37	TRIDENT LTD.	1	37	39.85	8%
38	VARDHMAN TEX	2	335	340	1%
39	WELSPUN	1	78	84.5	8%

RECOMMENDATION: SAMPRE NUTRITION @ 35.95 TGT 100 (REVISE TARGET 200 C.P 104)

TELEGRAM CHANNEL: https://t.me/prosharehub(FIND PROSHAREHUB ON TELEGRAM)

SIDDHESHWAR TEXTILE
MOB. 94130-57855

MONOGRAM YARN-Viscose Rayon	
180/2 DYED	420
150/2 DYED	490
150/2 Dyed Export surplus	400
120/2 Dyed	550
Polyester Bright Yarn (dope dyed)	
150/2, Dark	180
150/2 color plus	165
150/2 bright catonic	170
100/2 light	190
100/2 catonic bright	190
Acrylic & Viscose spun	
2/40 100% golden	525
2/34 Golden pearl	550
2/40 100% grey	475
2/30 Viscose 100% grey	280
2/40 Viscose	310
Fancy Yarn	
Golden/silver -440 denier	405

BANSWARA SYNTEX LTD.
Contact: 94141 11656

1/20 KLKY	240
1/20 DYEDS 65/35 HT	260
2/30 NON TBL MELANGE 65/35	270
2/30 NON TBL FROSTEDS 65/35	268
2/30 AIR JET DYEDS 65/35	270
2/40 NON TBL Melange 65/35	310
2/40 AIR JET 65/35	278
2/50 NON TBL DYEDS 65/35	365
2/28 LYCRA DYEDS 62/34/4	370
2/38 LYCRA DYEDS 62/33/5	440
2/50 LYCRA DYEDS 61/33/6	515
1/14 LYCRA DYEDS 61/33/6	325
1/20 LYCRA DYEDS SPUNTEX 60/32/8	345
1/24 LYCRA DYEDS 60/33/7	349
1/30 DYEDS FANCY	270
2/40 PVT42/24/31TBL FROSED THRILL	252
2/42PVT 62/7/31 FANCY THRILL	277
2/40 PVT 45/24/31 FANCY THRILL	221
2/40 PT 69/31 THRILL	216

RATAN BARJATIYA SPINNING PVT. LTD.
BARJATIYA BROTHERS
INDENTING AGENT & DEALERS
All Type of Textiles Yarn, Swing Threads, Multi Fold Yarn & Fabrics
MILLS
- RELIANCE INDUSTRIES
- INDORAMA SYNTHETICS LTD.
- SURYA GROUP OF COMPANY HYDERABAD
- SWATI SPINNING MILLS
- PEE VEE TEXTILES
- ANKUR UDYOG LTD.
- Jagdamba Spinning Mills Ltd. Nepal
- Aruppukottai Shri Jayavilas Ltd.
- shri Karthikeya Spg. Weaving Mills Pvt. Ltd.
- Punjab Spin & Linters
- Garg Acrylics Ltd.
- Shri Meenakashi Mill Ltd.
- Kennigton Industries Pvt. Ltd.
- Sivanta Spuntex Pvt. Ltd

E-165, RIICO Indust. Area, Near RIICO Office, Pur Road, BHILWARA (Raj.)
Talefax: 01482-248144-45, Mobile: 94141-13144, 94141-11036
E-mail: barjatiya_brothers@yahoo.co.in, barjatiyabrothers2014@gmail.com

HIND SYNTEX LTD.
Contact: 94141 15916

2/15 PV TFO	175
2/30 TFO	190
15' PV	160
2/24 PV	185
2/30 POLYESTER TFO	170

P EE VEE TEXTILE, NAGPUR
Contact: 98290 46955

15PV	165

SURYALATA

15pv	164

GRASIM INDUSTRIES LTD.
Contact: 93521 45544

2/30 NTBL	280
2/40 DYED	320
2/50 DYED	380

VALSON INDUSTRIES LIMITED
(MOB. 9414028933)

(DYED YARN)

Denier	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	225.00	235.00
150/0 Roto Dyed	230.00	240.00
150/350 Cone Dyed	241.00	251.00
85/Weft Dyed	235.00	245.00
85/0 Roto Dyed	237.00	247.00
85/300 Dyed	253.00	263.00
85 Royal Roto Twist	260.00	270.00
80/108 Micro Royal	265.50	275.50
100/144/300 Micro Dyed	250.50	260.50
80/34/600 Dyed Yarn	270.00	280.00
75/450 Bright Dyed	261.00	271.00
80/72 Cotluck Royal Roto	274.00	284.00
80/72 Roto Cutluk Dyed	250.00	260.00
150/350 Bright Dyed	269.00	279.00

(GREY YARN)

80/0 White Yarn	144
80/Roto White Yarn	147
80/300 Grey Yarn	178
80 Royal Warp Rotto	180
80/72/2 FD Cotlook HIM	161
80/2/72/300 FD ROTO	194
80/72/2 Royal Warp Catonic	202
150/325 Twisted Grey	162
150/325 Dope Dyed Black	168
150/500 DOPE DYDE BLACK	176
155/2/250 TPM White Yarn	161
80/1000 White Yarn	204
150/350 Bright White Yarn	168
100/450 Bright White Yarn	179

(Fancy Yarn)

250 Galaxy	315.50
160 Tex Space Dyed Sober	NA
170/350 Br. Space Dyed Ellora	NA
170/350 Sundram	NA

Fairmont International,Mumbai
Contact: 9819122497

Linen/Viscose, Linen/Cotton Yarn
Linen/Modal Yarn, Blend 55/45
Counts 10s,16s, and 20s Ringframe

(Packing - 60kg bag, 40 cones of 1.5 kg Prices are Ex Solapur + GST)

Gimatex Industries Ltd.
Contact:9414110791

2/30 PV Black	280
2/40 PV Black	322
2/30PVBlackSlub	NIL
2/30 Gray	242
2/30 Gray Slub	274
2/40 Gray	294

BHILWARA TEXTILE DIRECTORY Available
Hard Copy Soft Copy
For Enquiry
96024 30777
8619337577

R.T.M.
Contact: 93140 32404

2/18	242
2/30	275
2/30 NTBL	272
2/40 NON TBL	325

BIRLA TEX. MILLS

2/30 NTBL	272
2/40 NTBL	317

C.T.M.
Contact: 94141 12130

2/30 NTBL	275
2/18 DYED	242
2/40 DYED	325
2/50 DYED	NA
2/30 FROSTED	275

ARHAM SPINNING MILLS
Contact: 9352933401

2/40 PC COMBED TFO	310
2/30 P/C 65/35 CW	350
2/40 PV 65/35	260
2/30 PV	203+GST

Nahar Recycled polyester yarn

1/15 Recycled Polyester	122+gst
1/12 Recycled Polyester	117+ gst
1/10 Recycled Polyester	115+gst
1/15 PV 65/35	
Autoconed Grey yarn	170 +gst

LKY Mills, AHMEDABAD
Contact : 098797 62474

10 psy slub	170
20 psy slub	180
15 psy	145
2/15 psy	155
1/40 acrylic grey	325
2/40 acrylic grey	335
1/40 dyed acrylic	380
2/40 dyed acrylic	400
1/12 psy	140
3/12 psy	150
10 open end	105
3/10 open end	145
2/14 open end	150
3/14 open end	150
16s open end	150
20 visc vortex	225
30 visc vortex	235
40 visc vortex	260
2/16 viscose	235
2/30 viscose	260
2/40 viscose	285
20s psy	160
30s psy	170
40s psy	190
40 ap dyed	200
2/16 acr dyed	200
2/40 acrylic dyed	250
30 poly vortex	180
40 poly vortex	200
stock lot /surplus	150

RAGHAV GROUP
Contact: 9414111402

TRIDENT LIMITED

1/10 OE	218
1/14 OE	245
1/16 OE	250
1/20 OE	275
30 KW	385
30 CW	400
2/40 CW ELLY	385
40 CW COMPACT	445
50 CW COMPACT	445
60 CW COMPACT	470

ANKUR UDYOG LIMITED

1/30 POLY 100%	225
1/20 POLY 100%	105
1/15 POLY 100%	200

SIDDHARTHA SUPER SPG. MILLS

2/15 P/V DYED Olive Green	255
2/18 P/V BLACK	195
2/30 P/V BLACK	265

LNJ DENIM

6 OE	200
7 OE	202
8 OE	210
10 OE	215
10 LYCRA	385
16 LYCRA	400
10 SLUB LYCRA	415

Prahlad Rai & Co. (Gorakhpur)
Contact: 099358 27000

ANKUR	
1/20PV	185
Janvi	
1/15PSY	147
TRIVENI	
2/30 PV	220
2/40 PVN	270
1/15 PV	175

POLYPICK THREADS P. LTD.
Contact: 9351524689

150/ 2 BRT	165
150/ 2 DOPE DYED LIGHT	175
150/2 DOPE DYDE DARK	185
150/ 2 COLOR PLUS	185
150/2 RAYON	575
180/2 RAYON	495
2/40 ACRYLIC	515
ZARI GOLDEN	375
ZARI SILVER	380

MODTEX TEXTURISER
Contact: 98292 50430

150/400 Cone DYED+GST	197
150HIM Cone Dyed +GST	186
300 HIM Cone Dyed+GST	185
450 ATY Fancy Cone Dye+GST	190
240 lightning cone Dyed yarm	197

VISAKA IND. LTD.
Contact: 93514 27900

2/30 100% Polyester Gray	185
2/30 65/35 BLACK	265
2/30 65/35 GRAY	215
2/40 65/35 BLACK	308
2/30 PV 65/35 Heavy Dark Dyed	270

RELIANCE CHEMOTEX IND. LTD.
Contact: 98290 45352, 9029366939

2/30 SOLID DYED	262
2/40 SOLID TFO	320
2/30 FROSTED	265
2/18 Black Polyester	156
2/40 Black PV	264
2/50 CV German	380

BARJATIYA BROTHERS
Contact: 9468604145, 9414113144

RB SPINNERS, SURYALATA, ANKUR UDYOG, JAGDAMBA SPINNING

100% poly grey yarn	
2/40 pv	210
2/30	170
2/24	165
2/20	160
2/15	155
Singal yarn poly	
40 poly.	175 to 180
30	153 to 156
24.	150. To 153
20.	145 to 147
15 poly.	135 to 140
10 poly.	131 to 134
8 poly.	131 to. 134
Black poly yarn	
2/40 poly black	235
2/30 poly black.	185
2/18 poly black	158
2/15 poly black	155
40 poly black.	200
30 poly black	155 to 165
15 poly black.	140 to 144
9 poly black.	130 to 132
Recyed poly grey yarn	
2/30.	160
2/20.	150
2/15.	145
30	145
20.	135
15.	130
10.	127
Magic poly yarn	
2/49.	200
2/45.	196
2/40.	190
Poly magic black	
2/49.	202
2/45.	197
2/40.	192
2/15 GRINDEL.	145
2/30 GRINDEL.	165

Shekhawati Poly- Yarn Ltd.
Contact: 9699360666

80/72/1 HIM FD RW	130
80/108 HIM SD RW	126
80/72 HIM SD RW	123
72/48 HIM SD RW	124
75/48 HIM SD RW	122
150/48 HIM SD RW	112
75/108 SIM SD RW	113
75/72 SIM SD RW	125
150/108 SIM SD RW	122
75/36 NIM SD RW	118
85/36 NIM SD RW	117
100/36 NIM SD RW	116
150/48 NIM SD RW	109
72/36/350 TPM SD RW	122
74/34/350 TPM SD RW	138
80/34/350 TPM SD RW	138
150/36/350 TPM SD RW	137
100/36/550 TPM SD RW	130
75/36/600 TPM SD RW	160
85/36/600 TPM SD RW	168

कॉटन के भाव घटने का इंतजार ...

पृष्ठ 1 का शेष

पहुंच गए। सितम्बर प्रथम सप्ताह में भाव पुन: गिरने लगे थे लेकिन नई फसल की आवक का दबाव अभी कमजोर बना हुआ है इसलिए भाव पुन: बढ़ गए। वर्तमान में भी भाव पिछले सीजन की समान अवधि की तुलना में ऊंचे हैं। अगले महीने से मंडियों में आवक बढ़ने पर भाव गिर सकते हैं। नए सीजन के लिए कैरी फॉरवर्ड स्टॉक इस बार सबसे कम होगा। देश में नए सीजन में कॉटन उत्पादन अनुमान को लेकर अभी संशय बना हुआ हैं। जहां व्यापारिक संगठन कॉटन उत्पादन अधिक होने का अनुमान लगा रहे हैं, वहीं अन्य एजेंसियां उत्पादन कम बता रही है। कॉटन एसोसिएशन का कहना है कि वैश्विक स्तर पर कॉटन के भाव घटे हैं और अक्टूबर में नई फसल की आवक का दबाव बढ़ने पर भाव गिरने लगेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि बिजाई 126 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है जबकि पिछले सीजन में 117 लाख हेक्टेयर में बिजाई हुई थी। एसोसिएशन का कहना है कि यदि अक्टूबर में मौसम अनुकूल रहा तो कॉटन सीजन 2022-23 के दौरान कॉटन उत्पादन 315 लाख गांठ होने की उम्मीद है।

बाजार सूत्रों के अनुसार कॉटन का भाव ज्यादा नहीं गिरेंगे क्योंकि पाकिस्तान में बाढ़ से फसल को नुकसान हुआ है और अमेरिका और चीन में भी उत्पादन कम होने का अनुमान है। इसलिए आने वाले महीनों के दौरान निर्यात मांग बढ़ने की संभावना है। यही नहीं यदि जिन देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता की प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं और करार हो जाती है तो इन देशों को भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों का निर्यात भी बढ़ सकता है। इसके अलावा विंटर के फेस्टीवल एवं वैवाहिक सीजन के दौरान टेक्सटाइल मिलों की मांग भी अच्छी रहने की उम्मीद है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में फसल को नुकसान बताया जा रहा है।

यार्न में नरमी से उत्पादकों ने हाथ खींचे

श्राद्धपक्ष के चलते रिटेल में ग्राहकी कमजोर

सुरवीर सिंह
भीलवाड़ा

भीलवाड़ा/ गत पखवाड़े तक चल रही जॉब दरों में चल रही बेतहाशा तेजी में नरमी के संकेत मिल रहे हैं। वजह है यार्न के भावों में कमी। ऐसे में वस्त्र निर्माताओं ने उत्पादन लेने हेतु हाथ खींच लिये हैं। अब देखों और इंतजार करो के तहत श्राद्धपक्ष के बाद बाजार के रुख का इंतजार किया जा रहा है। वैसे भी श्राद्धपक्ष के चलते हर वर्ष खरीदी का दौर सुस्त ही रहता है लेकिन इसके बाद नवरात्रि से ही बाजार अपनी लय पकड़ लेता है।

मार्केट विशेषज्ञ ने बताया कि भीलवाड़ा में ग्रे की खपत सीजन में 6000 टन एवं ऑफ सीजन में 4000 टन है। कॉटन में तेजी के चलते कुछ मिलें जैसे नितिन, मराल, नाहर फाइबर, नाहर सिन्टेक्स, सिडार, सिन्टेक्स, सूर्य अम्बा एवं वर्धमान इत्यादि मिलें भी ग्रे के उत्पादन में आ गयी थी। अब चूंकि कॉटन की नई फसल आने वाली है और कॉटन में तेजी थमी है जिसके चलते ये मिलें पुन: कॉटन की ओर डायवर्ट हो रही है ऐसे में ग्रे के भावों थोड़ी सुस्ती देखी गयी। अब आगे नवरात्र से ही कपड़ा बाजार फिर से चलने के पूरे आसार हैं और आगे भी निरन्तर चलेंगे। जिससे यार्न बाजार में फिर मजबूती देखने को मिलेगी। दूसरी तरफ डाइड यार्न एवं एक्सपोर्ट दोनों बराबर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी किसी राज्य में कपड़े का कोई टेण्डर निकलता है तो उसका फायदा भीलवाड़ा मण्डी को ही मिलता है क्योंकि यहां की लागत एवं जॉब दरें काफी किफायती है। अत: टेण्डर की दृष्टि से भी भीलवाड़ा सबके लिए पसंदीदा मार्केट बनता जा रहा है। साथ ही रेडीमेड गारमेण्ट का उत्पादन भी भीलवाड़ा में बढ़ता जा रहा है जो कि यहां के वस्त्र उद्योग के लिए अच्छा संकेत है।

एयरजेट एवं रेपीयर की ओर बढ़ा निर्माताओं का रुझान- सूत्रों के अनुसार इस बार जिस तरह से जॉब दरों में भारी तेजी देखी गयी उसको देखते हुए कई निर्माताओं ने क्षमता विस्तार किया है। कई और निर्माता भी एयरजेट एवं रेपीयर लूमें लाने की योजना बना रहे है जिसको देखते हुए लगता है कि निश्चित रूप से भीलवाड़ा में और नयी मशीनें स्थापित होगी और सूटिंग के उत्पादन में भीलवाड़ा को सम्पूर्ण भारत में एकछत्र राज होगा। क्योंकि मुम्बई की कई बड़ी मिलों ने भी भीलवाड़ा में अपने वेयरहाउस स्थापित कर लिये हैं ताकि सूटिंग का कपड़ा सस्ती दर में यही से उत्पादित किया जा सके।

बांसवाड़ा सिन्टेक्स के श्री बी. जी. झंवर के अनुसार नवरात्रों से लेकर होली तक सीजन भरपूर है, इसलिए कपड़े में डिमाण्ड बनी रहेगी। मलमास में रिटेल काउण्टर पर सेल कमजोर रहती है लेकिन त्पादन स्तर पर उसका असर नहीं रहता है।

शिव एजेन्सी के श्री एस.एन माहेश्वरी ने बताया कि अभी एयरजेट यूनिटों में 18-20 पैसे की जॉब रेट चल रही है। इन लूमों पर चल रहे कॉटन फैब्रिक की आगे डिमाण्ड कमजोर रहेगी। सुल्जर लूमों पर जॉब दरे 20-25 पैसे चल रही है। दीपावली व त्यौहारी सीजन को देखते हुए डिमाण्ड नियमित बनी रहने की संभावना है। प्रोसेस दरें भी काफी बढ़ीहुई है जो आगे कम होने के आसार कम नजर आ रहे हैं क्योंकि उनके पास कपड़ों का अम्बार लगा हुआ है। कुल मिलाकर नवरात्र से ही बाजार अच्छा चलने के संकेत हैं।

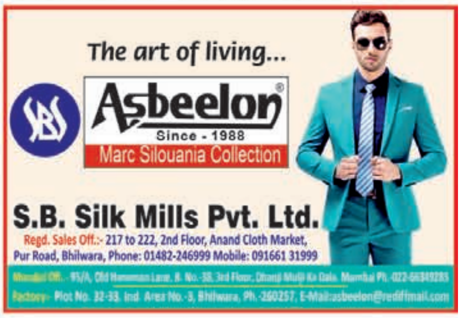

सावधान ! आप केमरे की निगरानी में है

प्रोसेस हाउसों पर कसा शिंकजा

भीलवाड़ा/ राजस्थान राज्य प्रदूषण मण्डल द्वारा प्रोसेस हाउसों पर शिंकजा कसना शुरू कर दिया है। आये दिन प्रोसेस हाउसों के खिलाफ मिल रही शिकायतों के चलते यह कदम उठाया गया है। प्रदूषण मण्डल द्वारा प्रोसेस हाउसों के पीछे सीसीटीवी केमरे लगवाना शुरू कर दिया है जिसकी शुरूआत सबसे पहले चित्तौड़रोड़ स्थित प्रोसेस हाउसों की जा रही है। कूल 13 जगहों पर ये केमरे लगाये जायेंगे।

कहां-कहां लगे केमरे- अब तक लगभग 7 प्रोसेस हाउसों में सीसीटीवी लग चुके हैं। इनमें सोना प्रोसेस, आरएसडब्ल्यूएम, ए के स्पिनटेक्स, रंजन प्रोसेस, संगम के बाहर, सर्वोदय, चैयरमेन प्रोसेस में लगाये जा चुके हैं एवं टीपीएल, पूजा, अनन्त प्रोसेस समेत अन्य स्थानों पर भी लगाये जा रहे हैं।

क्लाउड से जुड़ेंगे- केमरे से रिकॉर्ड किसी भी चीज को देखने के लिए एक सर्किट के माध्यम से दर्शक तक पहुंचाया जाता है। आरपीसीबी के अधिकारी ने इन सीसीटीवी को अपने कार्यालय से जोड़ने के लिए क्लाउड का उपयोग किया है।

सूत्रों के अनुसार वर्तमान में भीलवाड़ा में 18 प्रोसेस नियमित रूप से चल रहे है एवं 4 यार्न डाइंग प्लाण्ट है जिनमें से केमिकल्स साथ अन्य कलर भी बाहर निकलते हैं। केमिकल्स के चलते पानी को रियूज करने के लिए हर प्रोसेस हाउस में ईटीपी एवं आरओ लगा लगे हैं, साथ में मल्टीपल इफेक्ट एवोप्रेटर लगाये हुए गए है जो प्रदेश में किसी भी टेक्सटाइल क्षेत्र में नहीं लगे है। जिसके लिए प्रोसेस हाउसों ने लगभग 3-4 करोड़ रुपये खर्च किये हैं।

निश्चित रूप से विभाग द्वारा किया जा रहा यह कार्य प्रदूषण को नियंत्रण करने में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब देखना यह है कि यह प्रक्रिया कितनी ईमानदारी एवं सख्ती से आगे तक चल पाती है क्योंकि अधिकारियों एवं प्रोसेस हाउसों की मिलिभगती तो जगजाहिर ही है। और इस सख्ती के सकारात्मक परिणाम आये तो आस-पास के गांवों में जन-जीवन थोड़ा सुलभ बन सकता है।

'साँई टेक्सटाइल्स' सभी यूनिफॉर्म फेब्रिक निर्माण में सिद्धहस्त

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मंडी में इसी माह से यूनिफॉर्म फैबिक मैन्यूफैक्चर सेगमेंट में सिद्वहस्त कंपनी 'सॉई टेक्सटाइल्स' ने क्वालिटीयुक्त यूनिफॉर्म का आगाज किया है। कंपनी के डायरेक्टर श्री राजेश पारीक, श्री विनोद कुमार टेलर व श्री मनोज सोमानी की जोड़ी ने यूनिफॉर्म फैबिक सेगमेंट में अपने ग्राहकों को प्रतिस्पर्द्धी मूल्य एवं बेहतरीन ग्राहक सेवा को ध्यान में रखते हुए यूनिफॉर्म फैबिक का कार्य शुरू किया है। जिसमें सभी तरह के यूनिफॉर्म फैबिक उत्पाद हमेशा तैयार मिलेंगे। श्री पारीक ने बताया कि स्पन शर्टिंग, शैमरे व फिलाफिल मुख्यतया है।

यूनिफॉम सेगमेंट में सभी तरह के कॉरपोरेट स्कूल, हॉस्पिटल, सिक्योरिटी, होटल, पेट्रोलियम, एयरलाइंस आदि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर यूनिफॉर्म फैबिक सप्लाई की जा रही है।

श्री पारीक ने बताया कि 150 कलर स्पन शर्टिंग में कलरफुल चार्ट ऑल टाइम तैयार रहते हैं। सुदृढ़ नेटवर्क-कंपनी के सभी उत्पाद संपूर्ण भारत की मंडियों में बड़े पैमाने पर सप्लाई किए जा रहे हैं कंपनी अपने व्यापारियों के लिए उम्दा क्वालिटी के साथ-साथ न्यू डवलपमेंट की गई क्वालिटीयो के सैंपलिंग हमेशा तैयार रखती है। ग्रे क्लॉथ हमेशा तैयार रहता है। देशभर के सुदृढ़ व्यापारी व्यापार हेतु कंपनी से सम्पर्क कर सकते हैं।

'सियाराम' ने किया 'श्री कांकरिया' को सम्मानित

आगरा/ स्थानीय कपड़ा मार्केट के अग्रणी एजेण्ट श्री रजनीश कांकरिया (ममता टेक्सटाइल एजेन्सी, आगरा) को गत दिनों सियाराम सिल्क मिल्स द्वारा मुम्बई में आयोजित 'ऑल इण्डिया एजेण्ट्स-डीलर्स' कॉन्फ्रेन्स के दौरान बेस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सियाराम द्वारा देशभर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एजेण्ट्स-डीलर्स को अवॉर्ड दिये गये। इसी के अन्तर्गत ममता टेक्सटाइल एजेन्सी के श्री कांकरिया को भारतवर्ष में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए तीसरे अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान कंपनी के चैयरमेन ने कहा कि श्री रजनीश कांकरिया का कार्य उत्कृष्ट श्रेणी का है एवं उम्मीद करते हैं कि अगले वर्ष ये और अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहला अवॉर्ड लेने में कामयाब होंगे।

'आर.मित्तल सन्स' द्वारा 'सियाराम' की रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

स्कीम लॉन्च करने से मिली जबरदस्त बुकिंग

आगरा/ स्थानीय कपड़ा बाजार की अग्रणी होलसेल इकाई 'मैसर्स आर.मित्तल सन्स' के तत्वावधान में 'सियाराम' की रिटेल कॉन्फ्रेन्स 'अग्रवन' में आयोजित की गई। इस दौरान आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए नये डवलपमेण्ट का शानदार डिस्प्ले भी लगाया गया। विशेष रूप से इटालियन फैशन और टीआर की विस्तृत लेटेस्ट रेंज का डिस्प्ले काफी आकर्षक था। कॉन्फ्रेन्स में वेस्टर्न यूपी के लगभग 250 व्यापारियों ने भाग लिया। कंपनी की एरिया सेल्स टीम एवं एजेण्ट श्री रजनीश कांकरिया भी उपस्थित थे। इस दौरान 'मानसून हंगामा' के नाम से बुकिंग स्कीम भी लॉन्च की गई। जिसके तहत विभिन्न ईनाम जीतने का प्रावधान था यानि बुकिंग कराने पर 6 प्रकार के लाभ प्रदान किये गये, जिससे उत्साहित होकर सभी व्यापारियों को जबरदस्त बुकिंग करायी।

डीलर श्री पंकज मित्तल ने बताया कि गत दिनों कंपनी द्वारा मुम्बई में आयोजित 'ऑल इण्डिया एजेण्ट्स-डीलर्स कॉन्फ्रेन्स' में उन्हें वेस्टर्न यूपी राज्य में सर्वाधिक सेल देने पर प्रथम एवं काम्बी पैकिंग में सर्वाधिक सेल करने पर ऑल इण्डिया में तृतीय अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया है।

करनलगंज रेडीमेड मैन्युफेक्चरर फेयर रहा शानदार

अच्छा रिस्पोंस मिलने से निर्माता हुए उत्साहित

कानुपर/ गर्ल्सवियर एवं किड्सवियर के इनोवेटिव व इकॉनोमी उत्पादों की बेहतरीन रेंज निर्मित करके पूरे भारतवर्ष में नहीं अपितु विदेशों में भी उत्पाद सप्लाई करने में कानपुर रेडीमेड मण्डी मशहूर है। यहां के व्यापारियों के अनुसार यहां जीरो साइज से टीन एज तक के उत्पाद जैसे फैंसी फ्रॉक, गाऊन, लहंगा, मिड्डी, टॉपर, केप्री, कुर्ती, सरारा, प्लाजो, लोअर इत्यादि उत्पाद निर्मित होते हैं। 28 से 30 अगस्त तीन दिवसीय एक्जीबिशन का आयोजन यहां के व्यापारियों द्वारा अपने-अपने प्रतिष्ठानों में रखा गया। जिसमें भारतवर्ष की मण्डियों के काफी व्यापारी खरीदी करने आये जिससे फेयर काफी सफल रहा। फेयर कमेटी द्वारा जानकारी दी गई कि यह फेयर बिना कसी तैयारी के अचानक विचार बनाकर रखा गया। आगामी जनवरी माह में पूरी तैयारी के साथ एक ही छत के नीचे सभी मैन्युफेक्चर्स के उत्पादों को पेश कर आयोजित किया जायेगा।

नामचीन कंपनी एगेन्जा के श्री हशीम भाई ने बताया कि हमारे यहां हर समय इनोवेटिव व न्यू क्रिशन की रेंज बनायी जाती है। 3 दिवसीय एक्जीबिशन काफी अच्छी रही। आस-पास के राज्यों की सभी मण्डियों से काफी व्यापारी खरीदी करने आये।

लीडिंग कंपनी रोमांटिक के श्री अनस भाई ने बताया कि नन्हे-मुन्ने बच्चों की भरपूर रेंज बनाकर कंपनी पूरे भारतवर्ष में उत्पाद सप्लाई कर रही है। साथ ही विदेशों में भी कंपनी के उत्पाद सप्लाई हो रहे हैं। कंपनी सदैव नयेपन पर ज्यादा फोकस रखती है। **कंपनी के श्री शोएब भाई** ने बताया कि एक्जीबिशन सभी मैन्यूफेक्चर्स के लिए अच्छी रही। सभी को अच्छा रिस्पोंस मिला।

सुप्रसिद्ध कंपनी पूनम गारमेण्ट के श्री मोहम्मद रजा व अहमद रजा ने जानकारी दी कि हमने एक्जीबिशन के लिए अच्छी तैयारी कर आकर्षक उत्पादों की भरपूर रेंज फेयर में प्रस्तुत की जिसे काफी अच्छा रिस्पोंस मिला। हमें दीपावली तक की भरपूर बुकिंग प्राप्त हो गयी है। हमारी रेंज फेयर में आये व्यापारियों को खूब पसंद आयी, जिससे अच्छा कामकाज हुआ।

प्रसिद्ध कंपनी गोरजियस गर्ल्स कलेक्शन के श्री मोहम्मद जीशान व मोहम्मद अरशलम ने बताया कि कंपनी गर्ल्स वियर की इनोवेटिव रेंज बनाकर पूरे भारतवर्ष में सप्लाई दे रही है। एक्जीबिशन में कंपनी की रेंज को शानदार रिस्पोंस मिला।

नामचीन कंपनी लाइनअप के श्री मोहम्मद रहीश भाई ने बताया कि एक्जीबिशन बहुत अच्छी रही। व्यापारी काफी आये जिससे एक्जीबिशन सफल रहा।

लीडिंग कंपनी बाबा गारमेण्ट के श्री रहीश भाई ने बताया कि कंपनी सदैव न्यू सोच के साथ गर्ल्सवियर की शानदार रेंज बनाकर सप्लाई करती है। एक्जीबिशन में कंपनी की रेंज को भरपूर रिस्पोंस मिला।

सुविख्यात कंपनी मार्टिन के श्री आरिफ भाई ने बताया कि हमारे यहां हमेशा इनोवेटिव व क्रिएटिव उत्पाद ही बनाने पर फोकस रखा जाता है। एक्जीबिशन में कंपनी ने भरपूर रेंज प्रस्तुत की गई जो व्यापारी भाइयों को बहुत पसंद आई। यह एक्जीबिशन सभी मैन्यूफेक्चर्स के साथ मेरे लिए भी शानदार रहा।

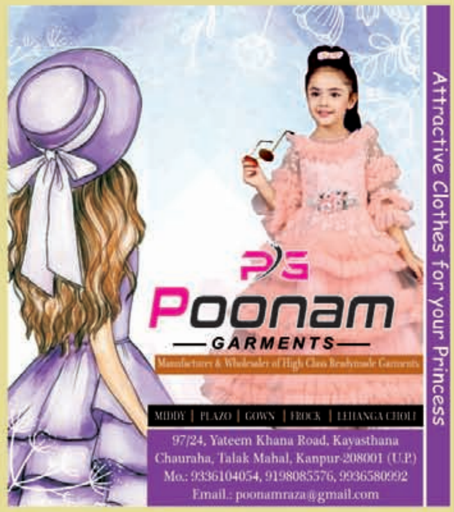

आगामी ऑर्डर्स पर ध्यान केन्द्रित : पेमेण्ट आवक में सुधार

पिलखुवा

कपड़ा बाजारों में दिसावर की मंडियों से कैनवास के भरपूर ऑर्डर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पावरलूम व ऑटो पर कपड़ा बनाने वाली मशीनों पर बनने वाले कपड़े के भरपूर ऑर्डर होने से कपड़ा उत्पादकों का मनोबल बना हुआ है। सूत में तेजी के चलते ही कपड़ा मंडी से सूती आईटम का कपड़ा लगभग बहुत ही कम बन रहा है। दिसावर की मंडियों से आने वाले दिनों चादरों के ऑर्डरों को ध्यान में रखते हुए कारोबारी मालों को तैयार करने में लगे हुए हैं। बाजारों में कामकाजों को देखते हुए भुगतान की स्थिति संतोषजनक है।

व्यापारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धागे में भावों में कोर्स काउण्ट में भारी उतार-चढ़ाव को देखते हुए मेरठ, सरधना, हापुड, पिलखुवा, मुरादनगर आदि मडियों में पहले रिंग फ्रेम व उसके बाद ओपन एंड के कपड़े बनने लगे देखते ही देखते एक दशक पहले की पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मंडियों से रिंग फ्रेम से बनने वाले कपड़े लगातार ही कम हो रहे हैं। बाजारों में इन दिनों ज्यादा कपड़ा मिलांच व हल्की क्वालिटी के ओपन एंड के धागे ही ज्यादा चल रहे हैं।

आगामी दिनों में रजाई का सीजन आरंभ होने वाला है। रजाई तैयार कराकर सप्लाई करने वाले कारोबारी नॉन डाईंग की रजाई ज्यादा बनाने में रूचि ले रहे हैं। प्योर कोट की रजाई बहुत ही कम बन रही है। जो बन भी रही वह ऑर्डर पर ही बन रही है।

बाजारों में कामकाजों को देखते हुए उधारी का प्रचलन कम हो रहा है। बाजारों में नकदी का प्रचलन बढ़ा है कारोबारी को जितना जरूरत है। उतना ही माल खरीद रहा है। नकद का बढ़ता प्रचलन व्यापारी के लिये एक अच्छा संकेत हैं।

नवरात्रि से व्यापार चलने की धारणा

इन्दौर

बाजारों की स्थिति के बारे में व्यापार की स्थिति के लिये वर्तमान में किसी भी प्रकार की समीक्षा नहीं की जा सकती है। म.प्र. के ग्वालियर, सागर व भोपाल संभाग में जो हालात अतिवृष्टि, बाढ़ व फसल नष्ट हो जाना इनका प्रभाव जन-जीवन के साथ व्यापार पर भी पड़ता है। हर किस्मों व्यापार पर तिलहन, दलहन बागान, रुई का सभी पर प्रभाव पड़ता है। कर्नाटक हो चाहे महाराष्ट्र व अन्य प्रांत किसी न किसी पीड़ा से पीड़ित है इसका प्रभाव व्यापार व आर्थिक दशा पर भी पड़ता है। नवरात्रि के बाद से व्यापार अच्छा चलन चाहिये व्यापारी वर्ग ऐसी आशा संजोये हुए हैं। कपड़ा बाजार में भावों में कमी तो नहीं है ना ही मन्दी आना है। ग्राहकी के ऊपर निर्भर है। भाव वृद्धि की तरफ अग्रसर है। नवरात्रि के बाद से व्यापार अच्छा चलना चाहिये, ऐसी व्यापारी वर्ग की धारणा है।

बढ़ती मंहगाई का कपड़ा कारोबार पर जबरदस्त असर

आगरा

इस समय मंहगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है। जीवनयापन के लिए आवश्यक सभी वस्तुओं पर मंहगाई की मार है। लोगों के आर्थिक बजट गड़बड़ाने लगे हैं। इन सबका असर कपड़ा कारोबार पर जबरदस्त दिखाई दे रहा है। बाजारों में सन्नाटा छाया पड़ा है। व्यापारी समझ नहीं पा रहे कि आगे की खरीददारी किस प्रकार से करें।

श्राद्ध पक्ष शुरू होने से बाजारों में सन्नाटा तो हो ही जाता है। लेकिन इस बार रक्षाबंधन के बाद से बाजार ठंडे पड़े हैं। इन दिनों थोक व्यापारी खरीद में जुट जाता था। गर्म मालों की बुकिंग चालू हो जाती थी। लेकिन इस समय मौसम में गरमाहट रहने से कि गर्म मालों की ठंडक बनी हुई हुई। इन दिनों में व्यापारी डिस्काउंटेड सेल लगाते थे, सप्लायर भी पुराना स्टॉक साफ करने के लिये कॉन्फ्रेंस का आयोजन करते थे। लेकिन यह सब भी कस्टमर को अपनी ओर लुभा नहीं पा रही है।

व्यापारियों की उम्मीद अब नवदुर्गा महोत्सव पर टिकी है। लेकिन नामचीन दुकानदारों को छोड़ अभी इसकी तैयारी कोई व्यापारी करता नजर नहीं आ रहा है।

नवरात्रि से व्यापार अच्छा चलने की उम्मीद

मुरादाबाद

सीनीय कपड़ा मंडी में इस समय कपड़ा कारोबार बहुत ही मंदा चल रहा है। नवरात्रि से काम प्रारंभ होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस समय कपड़ा कारोबार बहुत ही खराब दौर से गुजर रहा है। इस बार बहुत लंबा मंदा हो गया है। 15 मई से कामकाज कमजोर हुआ था अभी तक पटरी पर नहीं आया है। मार्केट में आगामी सीजन को देखते हुए 'सोमानी एनएक्स' के माल की डिमांड नजर आ रही है। सोमानी एन एक्स के कई क्वालिटियां ऐसी है जो दुकानदार के पास नहीं होने के कारण ट्रेडर्स दुकान से बाकी माल भी नहीं लेता है। सोमानी का माल हिंदू धर्म में पूजा में जैसे गणपति की स्थापना जरूरी है, इसी तरह प्रत्येक होलसेलर को सोमानी का माल दुकान में रखना पड़ता है। सोमानी के निम्न नंबर डोली प्रिण्ट, डॉलेण्ड, हिमालय कॉटन मिल्स चेक्स, मैजिक मूमेण्ट, क्रेजी बॉयज एवं ऑल टाइम, क्वालिटी आने मार्केट में धूम मचा रखी है। आगे काम अच्छा रहेगा इसी विचार से दुकानदार धीरे-धीरे कपड़ा खरीद कर रहा है। आगे सर्दी होने की वजह से गरम माल की बिक्री अच्छी रहेगी।

Uniform and Sportswear Expo 2022

Offers Platform to Tap Growth Opportunities

Mumbai. The best time to highlight your brand's presence within a specific apparel category is when the stage is all set for rapid development. With the market for sports apparel and uniforms expected to grow exponentially, the need of the hour is a dedicated platform where various stakeholders can interact. The 'Uniform and Sportswear Expo' 2022 being organised by Aditya Expositions at CIDCO Exhibition Centre, Navi Mumbai from November 8-10 2022, provides exactly that.

An ideal convergence point, with opportunities to reap the resultant big benefits going forward, the credibility factor has been further enhanced with Textile Mirror Magazine (Bhilwara) associating with the event as Media Partner and BITtextiles.com as Digital Partner.

The 'Uniform and Sportswear Expo' will be a gateway enabling exhibitors to tap the potential by showcasing brands, products, machinery and more. Trade shows are an essential component for business interaction and networking and this concept fits the industry requirements precisely. It is clear that both, uniform and sportswear segments have unique demand drivers and will continue to be extremely relevant going forward as well.

The show organisers, Aditya Expositions, have envisaged an extensive social media campaign on the available and popular, regularly accessed platforms, in order to reach out to sportswear manufacturers, buyers, exporters, wholesalers and dealers in the sector, corporates, sports organisations, clubs, yoga and gym clubs, sportspersons, coaches, sports therapists, etc. Constant promotion of the exhibition will be undertaken to create wider awareness.

फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी निकलने से बाजार में लौटने लगी रौनक

सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस-ब्लाउज मटेरियल, साड़ी एवं लहंगा में ग्राहकी खुली

'मित्र' ब्यूरो
नई दिल्ली-कपड़ा

नई दिल्ली/ कपड़ा बाजार में पित्रपक्ष के दौरान थोक स्तर पर ग्राहकी निकलने से लम्बे समय के बाद बाजार में रौनम लौटने लगी है। आगामी फेस्टीवल एवं विंटर सीजन के लिए ग्राहकी खुली है। अभी व्यापारियों में उत्साह कम है फिर भी मांग निकल रही है। उत्पादन केन्द्रों से नए मालों की चालानी जारी है। नवरात्रों से बाजार में पूरी रौनक लौटने की संभावना है।

व्यापारियों के अनुसार लम्बे समय से ग्राहकी कमजोर रहने से बाजार में जो सन्नाटा पसरा हुआ था, वह टूटा है। पित्रपक्ष के दौरान खुदरा व्यापारी खरीददारी आ रहे हैं। इस बार सितम्बर आखिर में नवरात्र हैं, उस दौरान खुदरा बाजार में रौनक लौटने की उम्मीद है। व्यापारी खरीददारी के लिए आने लगे हैं। यद्यपि अभी पूरी ग्राहकी नहीं है फिर भी उम्मीद की जा रही है कि जैसे-जैसे रिटेल में बिक्री बढ़ेगी, थोक स्तर पर भी ग्राहकी जोर पकड़ेगी।

फैब्रिक्स निर्माताओं द्वारा फेस्टीवल सीजन के के लिए बुकिंग के माल की चालानी की जा रही है जिससे बाजार में चालानी बढ़ी है। व्यापारियों के अनुसार रिटेल स्तर पर बिक्री आरंभ होने पर भुगतान की चैन भी जुड़ जाएगी। अभी तक भुगतान नहीं आने से बाजार में पैसे की तंगी बनी हुई है।

सूटिगं-शर्टिंग की ग्राहकी में सुधार हुआ है। ग्राहक खरीददारी के लिए आने लगे हैं जिससे बाजार में आवागमन बढ़ा है। विंटर सीजन के लिए सूटिंग-शर्टिंग में वूलन, सिंथेटिक एवं कॉटन में नए मालों की चालानी जोर पकड़ रही है और इसी के साथ बाजार में उठाव भी होने लगा है।

अरविंद मिल के सभी ब्राण्ड में ग्राहकी निकली है। कॉटन सूटिंग-शर्टिंग एवं डेनिम में नए रंग-डिजाइनों की मांग है। अरविंद मिल के एजेंट श्री हंसराज गौतम के अनुसार ग्राहकी में सुधार हुआ है लेकिन अभी काम ने जोर नहीं पकड़ा है। उम्मीद है कि अगले पखवाड़े तक कारोबार में तेजी आएगी।

वेलवेट होम के श्री दीपक गुप्ता के अनुसार थोक स्तर पर काम निकला है। सूटिंग-शर्टिंग, टीआर एवं सूटलेंथ, जोड़े, सफारी आदि सभी आइटमों की मांग निकली है। सूटिंग में सेल्फ की मांग ज्यादा है जबकि चैक्स एवं लाइनिंग की मांग अभी सीमित है। शर्टिंग में प्लेन, सेल्फ, लाइनिंग एवं चैक्स की मांग है।

जैन ब्रदर्स के श्री मोहित जैन के अनुसार बाजार में काम निकला है।

ग्राहकों के आवागमन में बाजार में चहल-पहल दिख रही है। सूटिंग में चैक्स की मांग ज्यादा है। टीआर में प्लेन एवं चैक्स की मांग है। टेरीवूल की मांग अभी कम है। जोड़े-सफारी की मांग निकल रही है।

ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल की ग्राहकी में सुधार-

ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल की ग्राहकी में सुधार हुआ है। पित्रपक्ष के दौरान व्यापारी खरीददारी के लिए आ रहे हैं जिससे पोपलीन, रूबिया, फैंसी फैब्रिक्स सहित ड्रेस मटेरियल की सभी आइटमों में मांग निकली है।

फेस्टीवल सीजन के लिए खुदरा व्यापारियों की ग्राहकी निकली है। व्यापारियों के अनुसार ग्राहकी की शुरुआत हो चुकी है और धीरे-धीरे ग्राहकी जोर पकड़ेगी।

नारायण ट्रेडिंग कम्पनी के श्री धन प्रकाश गुप्ता के अनुसार ग्राहकी में सुधार हुआ है। थोक के साथ खुदरा स्तर पर भी काम निकलने लगा है जिसे देखते हुए आने वाले दिनों में ग्राहकी के जोर पकड़ने की उम्मीद है।

श्राद्धों के दौरान खुदरा व्यापारी खरीददारी के लिए आ रहा है। वैसे भी फेस्टीवल सीजन दशहरा-दीपावली नजदीक आ गए हैं और इसके लिए समय कम बचा है। अभी ग्राहकी खुलने से व्यापारियों का उत्साह बढ़ेगी। खुदरा स्तर पर बिकी बढ़ने पर भुगतान की आवक भी आएगी जिससे भुगतान की चैन जुड़ेगी।

पोपलीन एवं अस्तर में ग्राहकी निकली है। ब्लाउज मटेरियल टू बाई टू एवं फैंसी फैब्रिक्स में भी काम निकला है। ड्रेस मटेरियल में कॉटन साटन, रेयॉन, कॉटन लाइक्रा, बिजी-लिजी, मोडाल की मांग निकली है। कैम्ब्रिक की मांग अपेक्षाकृत कम है। सूरत की ड्रेस में भी ग्राहकी निकली है। स्पन, पशमिना प्लेन एवं प्रिंट के नए माल आएं हैं और इनमें पूछपरख चल रही है।

साड़ी एवं लहंगा में फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी आरंभ

साड़ी एवं लहंगा में फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी का श्रीगणेश हो चुका है। शुरुआत अच्छी है। साड़ियों में लम्बे समय से कारोबार ठप पड़ा था। यही कारण है कि व्यापारियों ने विलम्ब से खरीददारी आरंभ की है। सूरत की साड़ियों के साथ दिल्ली हैंडवर्क एवं बनारस एवं बैंगलूरु की फैंसी साड़ियों की मांग निकली है।

व्यापारियों का कहना है कि अभी तक ग्राहकी कमजोर रहने से व्यापारियों का मनोबल टूटा हुआ था लेकिन ग्राहकी खुलने से उत्साह बढ़ने लगा है। है। व्यापारियों के अनुसार पित्र पक्ष के दौरान व्यापारी खरीददारी के लिए निकल रहे हैं। उत्पादन केन्द्रों से भी नए माल की चालानी जोर पकड़ रही है।

आगे दशहरा-दीपावली के बाद विंटर का वैवाहिक सीजन है। इसलिए आने वाले महीनों में कारोबार अच्छा रहने की आमना है।

दिल्ली हैंडवर्क की साड़ी 1000/3000 रुपए तथा दिल्ली हैंडवर्क का लहंगा 5000/20000 रुपए की रेंज में बिक रहा है। दिल्ली हैंडवर्क के लहंगा में माइक्रा वेलवेट पर वर्क चल रहा है। बनारस एवं बैंगलूरु की फैंसी साड़ियों की 500/6000 रुपए की रेंज में काम हो रहा है।

सूरत की सभी प्रकार की साड़ी, लहंगा एवं लांचा में ग्राहकी जोर पकड़ रही है। व्यापारी खरीददारी के लिए आ रहे हैं जिससे बाजार में चहल-पहल आई है।

व्यापारियों का कहना है कि ढाई-तीन महीने से कोई काम नहीं होने से व्यापारियों का मनोबल गिर गया था जिसमें थोड़ी सुधार हुआ है।

'सोलापुर गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन' द्वारा 5वें 'यूनिफॉर्म एवं गारमेण्ट फेयर' की तैयारी

7 से 9 दिसंबर-22 को हैदराबाद में होगा आयोजित

सोलापुर/ विगत 4 सफलतापूर्वक फेयर आयोजित करने के बाद सोलापुर गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ने 5वें 'यूनिफॉर्म एवं गारमेण्ट फेयर-2022' की घोषणा की है जो कि हैदराबाद में 7 से 9 दिसम्बर, 2022 को हाईटेक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। इसकी घोषणा विकास पुरुष श्री नितिन गडकरी द्वारा की गई जो इस अभिनव प्रदर्शनी के टीज़र लॉन्चिंग हेतु विशेष रूप से सोलापुर गए थे। विदित रहे कि इस एसोसिएशन द्वारा पहली और दूसरी प्रदर्शनी सोलापुर शहर में आयोजित करने के बाद तीसरी प्रदर्शनी बैंगलोर में और चौथी प्रदर्शनी मुंबई में 2019 में आयोजित की गई थी। उसके बाद कोविड ने देश के सभी समान उद्योग को प्रभावित किया था। अब कोविड का प्रभाव भी नगण्य हो गया है एवं सम्पूर्ण भारत व्यापार के लिए पूरी तरह खुल चुका है। ऐसे में एसोसिएशन ने दिसंबर 2022 में हैदराबाद में गारमेण्ट और वस्त्र निर्माताओं हेतु एक्जीबिशन के 5वें संस्करण को आयोजितक करने का फैसला किया है।

एक्जीबिशन के टीज़र की घोषणा के अवसर पर श्री नितिन गडकरी ने कहा कि सोलापुर जो पहले अपने तौलिये और चादर के लिए जाना जाता था, अब यूनिफॉर्म क्षेत्र में अपना अनूठा नाम बना लिया है और उन्हें बहुत गर्व है कि आज जब भी यूनिफॉर्म का नाम आता है तो सोलापुर का नाम लिया जाता है। उन्होंने श्री सुभाष देशमुख (महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कपड़ा मंत्री) को इस तरह की अनूठी प्रदर्शनी आयोजित करने के विचार के साथ आने के प्रयासों के लिए बधाई दी। उनके प्रयासों के कारण आज यह प्रदर्शनी देशभर में सभी समान हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रदर्शनी बन गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में यूनिफॉर्म उद्योग के सभी बड़े ब्राण्ड भाग लें, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जानकारी के अनुसार इस 5वीं प्रदर्शनी में 140 से अधिक एक्जीबिटर्स भाग लेंगे। जिसमें सभी प्रकार की रेडीमेड यूनिफॉर्म, सभी प्रकार के यूनिफॉर्म फैब्रिक, पुरुषों के वस्त्र, बच्चों के वस्त्र, स्पोर्ट्स वियर, स्कूल बैग, जूते और अन्य सामान शामिल हैं। यह देश में यूनिफॉर्म क्षेत्र में आयोजित सभी प्रदर्शनियों में सबसे बड़ी होने जा रही है।

श्री गडकरी ने अपने संबोधन में निर्माताओं से कहा कि देश के साथ-साथ दुनिया में यूनिफॉर्म में अग्रणी होने के लिए और भारत को एक समान सोर्सिंग हब बनाने के लिए निर्माताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गुणवत्ता और आरामदायक यूनिफॉर्म की आपूर्ति विशेष रूप से स्कूल में की जानी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने यह भी आग्रह किया कि निर्माताओं को यूनिफॉर्म में हमेशा नया नवाचार लाना चाहिए जैसे दाग प्रतिरोधी यूनिफॉर्म, अग्निरोधी यूनिफॉर्म आदि। इससे निर्माताओं को उनकी लाभप्रदता और स्थायित्व बढ़ाने में मदद मिलेगी उन्होंने आगे सुनिश्चित किया कि अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने के लिए वह विशेष रूप से विदेश मंत्री से अनुरोध है कि इस प्रदर्शनी के बारे में दुनियाभर में सभी भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रचार करें।

सोलापुर गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन की ओर से निदेशक श्री अमितकुमार जैन ने श्री नितिन गडकरी और श्री सुभाष देशमुख को उनके बहुमूल्य समर्थन हेतु धन्यवाद दिया और टीज़र लॉन्चिंग समारोह के लिए धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रकाश पवार (संयुक्त सचिव) द्वारा दिया गया था। इस टीज़र लॉन्चिंग के दौरान श्री सतीश पवार (उपाध्यक्ष), श्री राजेंद्र कोचर (सचिव), श्री प्रफुल वैद (कोषाध्यक्ष), श्री रमेश डकालिया (निदेशक), श्री पारस शाह, श्री सुनील मेंगजी, श्री महावीर जैन, श्री किरण पवार, श्री विनायक मालगे, श्री जितेन्द्र डाकलिया, श्री शैलेन्द्र घनाते, श्री बालाजी शलगर, श्री अजय रंगरेज, श्री रवींद्र रचा, श्री कमलेश मंदोट इत्यादि सदस्य उपस्थित थे।

'Linen Club' pays tribute to Kerala by launching special Onam song and a heart-warming ad film

Linen Club, the pioneering linen brand from the Aditya Birla Group, unveiled today, a unique campaign- 'Homecoming' - to mark the annual celebration of Onam. The brand has reciprocated to the love Kerala has given them with this film and a beautiful Folk song as a celebration of the biggest festival in the market. The campaign showcases a heartfelt home-coming of family and friends to their roots based on the age-old tale of the King Mahabali and a celebration of the folk artforms of Kerala to bring in the new year. The song Thiruvonamullil Nirayenam is a unique endeavour by a fashion brand to present a local folk melody and join their customers as they celebrate their most important annual festival – Onam.

The campaign further brings alive the authentic aesthetics of the festival Onam & the expertise and expanse of Linen Club with a showcase of wide palate of fabrics and apparel that the brand offers. With Mala Parvathy and George Kora helming this beautiful video story, the TVC strikes a chord instantly with the viewer. It signifies celebration and prosperity, while evoking a sense of plenitude.

It starts with a mother, symbolic of many families who look forward to Onam as an annual celebration where the families come together from across the world. There is a sense of sadness as her son is unable to make it this year as he is busy due to work. He decided to surprise his mother by coming over and making the Onam celebration much grander than what she was expecting. His passionate creativity enables him to create an innovative Pookalam with beautiful linen fabrics. He invites performers for a traditional Onam performance to bring a smile on his mother's face. He then uses the fabrics as gifts for all, bringing forth the sentiment of giving and inclusivity. The campaign includes the mesmerising original folk song Thiruvonamullil Nirayenam to honour the spirit of Onam.

Linen Club's passion, authenticity and expertise in creating the best linen fabrics and apparel is apparent in the campaign focussed towards Onam. It displays the variety and the robust portfolio of products the brand offers. Linen Club and Linen Club Studio offer premium linen fabrics and ready-to-wear apparel like shirts, jackets, trousers, kurtas, mundus, etc respectively.

The concept of Fabrik Pookalam is exceptional and brings alive a beautiful harmony between the brand's offerings and the festival's spirit. "Kerala has always been a special market for us and our loyal customers have given us a lot of love. Passion is an inherent quality with which Kerela celebrates Onam. Taking our brand ethos of being 'Passionate Like You', Linen Club is excited to launch the campaign full of emotions and no compromises as we mark the beginning of the celebrations this year; post isolation of two years due to pandemic," said **Satyaki Ghosh, CEO, Domestic Textiles (Grasim Industries) Aditya Birla Group.**

"Ahead of Onam as Kerela begins preparations, we are excited to demonstrate the wide palette of colours, categories, designs & textures we offer in pure Linen. Combined with consummate craftsmanship using cutting edge European technology we ensure best in class sustainable Linen products in both tailored as well as ready-to-wear category," he added.

Fashion Flair
ITALY
— FABRICS OF THE FUTURE —

Celebrate every moment!

Fashion flair has grown to become the most admirable suiting fabric brand as a result of its dedication to providing premium, high-quality fabric in innovative designs with a wide variety of choices.

Fashion Flair offers trendy designs in premium imported TR with a diverse color palette, innovative qualities, tweeds, and knitted fabrics for every occasions that's worth celebrating.

— Our portfolio of brands —

zaccari ITALY LUXURY SUITINGS
donzito PREMIUM SHIRTINGS
BENZZI BLENDED FABRICS
Mimoto ITALY FINEST GIZA SHIRTINGS

SHIVANI CLOTHING "A" Shreeji Bldg., 1st Floor, Mitali Complex, Munisurat Compound, Bhiwandi, Thane - 421302, Maharashtra
+91 88053 40131 shivaniclothing@gmail.com

INDIAN TEXTILE INDUSTRY COULD EXPAND IN SIZE TO USD 250 BILLION & ACHIEVE EXPORTS OF USD 100 BILLION : CHAIRMAN, TEXPROCIL

Mumbai: ShriUpendra Prasad Singh, Textile Secretary stated that the government is looking at value added exports like fabrics, made ups & home textiles as exports of raw materials may not rise further due to increasing local demand.

While felicitating the winners of TEXPROCIL Export Awards 2020 – 2021 on 23rd August 2022 in Mumbai, he informed that the govt. has commissioned the PLI Scheme, MITRA Parks Scheme, GATI ShaktiScheme with a view to attract investments in the sector, reform infrastructure and address logistic bottle necks. He also said that focus on key growth areas like 'sustainable textiles', 'technical textiles' and 'natural fibres' and high-end technology is the success mantra for the future growth of textile industry.

Mr.Upendra Prasad Singh, Union Textile Secretary and Ms.RoopRashi, Textile Commissioner felicitated the winners of TEXPROCIL EXPORT AWARDS 2020 – 2021 at Hotel President, Mumbai on 23rd August 2020. The Cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) distributed 61 awards to 45 companies in 33 categories.

Shri Manoj Kumar Patodia, Chairman – TEXPROCIL stated that textile and apparel exports achieved their highest ever level in the year 2021 – 2022 with an export turnover of USD 44.4 Billion, growing by 40% over the previous year. During the same period, export of cotton textiles (including raw cotton) grew by 54%, reaching a level of USD 16.42 Billion. In the next 5 to 7 years, Indian textile industry could expand in size to USD 250 Billion and achieve exports of USD 100 Billion.

He further added that as far as FTAs are concerned, the industry is already focusing on taking maximum benefits from present FTAs concluded with UAE and Australia which provides zero-duty access to Indian products in these markets. The conclusion of FTAs with Canada, EU, UK, Israel and GCC countries will give a further impetus and boost to trade. The Govt has worked out a Rupee Trade mechanism which will help Indian suppliers in exporting textile products to countries like Russia, Sri Lanka and Iran, he said.

ShriPatodia also highlighted the tie-up between Texprocil and Control Union for traceability as it has gained significant traction in recent times. This will help companies across the value chain to subscribe to the General Certificate of Conformity program and ensuring complete traceability from the finished good to the fibre stage.

The Chairman highlighted issues which if resolved could help India attain higher exports. Some of these issues were the import duty on cotton and the prices of Indian cotton which he felt needed to be regulated as they were higher than international prices. ShriPatodia also spoke about the need to increase the RoDTEP rates in Knitted Fabrics and items under HS 9404 which were by definition home textiles but were given lower rates than home textile items

'मनोमय डेनिम' को मिला 'गोल्ड अवॉर्ड '

भीलवाड़ा/ डेनिम निर्माता कंपनी 'मनोमय टेक्स इंडिया लिमिटेड' को गत दिनों मुम्बई में टेक्सप्रोसिल द्वारा आयोजित अवॉर्ड समारोह में गोल्ड अवॉर्ड प्रदान किया गया। कंपनी डायरेक्टर श्री योगेश लढ़ा ने बताया कि कंपनी को मुंबई में हुए टेक्सप्रोसिल एक्सपोर्ट अवॉर्ड कार्यक्रम 2020-2021 के दौरान निर्यात क्षेत्र में द्वितिय वर्ग में कंपनी को प्रथम स्थान मिला ।

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री उपेंद्र प्रसाद सचिव (टेक्सटाइल मंत्रालय) एवं श्रीमती रूप राशि टेक्सटाइल कमिशनर द्वारा कम्पनी के डायरेक्टर श्री योगेश लढा और श्रीमती पल्लवी लढ़ा को गोल्ड अवॉर्ड से समानित किया गया। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा लगातार चौथे साल टेक्सप्रोसिल एक्सपोर्ट अवॉर्ड हासिल कर कीर्तिमान स्थापित किया है, यह भीलवाड़ा क्षेत्र के लिए हर्ष और गर्व का विषय है। कंपनी के सभी कर्मचारियों ने कंपनी को चौथी बार गोल्ड अवॉर्ड मिलने पर खुशी व्यक्त की और कंपनी के चेयरमैन श्री कैलाश चंद्र लढ़ा ने कंपनी को गोल्ड अवॉर्ड मिलना कंपनी की नीतियों और अनुशासन का परिणाम बताया और साथ ही कर्मचारियों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

'रमेश कुमार एण्ड ब्रदर्स' ने की जयपुर में भव्य कॉन्फ्रेंस

जयपुर/ स्थानीय थोक विक्रेता 'रमेश कुमार एंड ब्रदर्स' द्वारा 4 सितंबर 2022 को जयपुर में भव्य कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। मुंबई स्थित कंपनी जैनम सिल्क मिल्स के ब्राण्ड 'डिवाइन टच' पीसी शर्टिंग 'आजलिया' 100 प्रतिशत कॉटन शर्टिंग एवमं मुख्यतया फैंसी कुर्ता क्लॉथ एवमं एथेनिक वियर सूटिंग-शर्टिंग का डिस्प्ले किया गया। इस अवसर पर सैंपल बुकिंग द्वारा आने वाले सीजन की फोरवर्ड बुकिंग की।

सैंपल सेट में नवीनता होने की वजह से अच्छी बुकिंग हुई परंतु जून-जुलाई की सुस्ती का असर व्यापारियों की बुकिंग में देखने को मिला। आकर्षक उपहारों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था। अत: 35 से 50 थान के मध्य अधिकतर रिटेलर्स ने बुकिंग दी।

डिवाइन ब्राण्ड की प्लेन वैराइटी में काफी अच्छी बुकिंग देखने को मिली साथ ही साथ फैंसी कुर्ता रेंज भी सराही गई। एथेनिक डिजाइन में लगा की अभी खरीददार कुछ इंतजार के बाद ही बुकिंग देना चाहता है। सभी का सोचना है कि न जाने दूल्हा और संबंधी क्या पसंद करे और आने वाली फिल्मों में हीरो क्या पहने?

समारोह की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई जिसमे गणेश वंदना के साथ दीप प्रज्वलन किया गया। कंपनी एवं एजेंसी से आए प्रतिनिधियों का सम्मान व बुकिंग के लिए आए आगंतुक रिटेलर्स मेहमानों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर 'रमेश कुमार एंड ब्रदर्स जयपुर' से श्री सुरेश जैन, श्री रमेश जैन एवं श्री नकुल जैन ने उपस्थित सभी मेहमानों का स्वागत किया एवं समारोह की समाप्ति एक शानदार म्यूजिकल पार्टी 'एक शाम किशोर कुमार के नाम से हुई' ये शानदार प्रस्तुति जयपुर के मशहूर गायक कलाकार श्री चंद्र कटारिया टीम द्वारा दी गई।

'विजय टेक्सटाइल' द्वारा सियाराम की रिटेल कॉन्फ्रेन्स आयोजित

गांधीनगर (कोल्हापुर)/ सियाराम सिल्क मिल्स के अग्रणी डीलर मैसर्स विजय टेक्सटाइल, गांधीनगर द्वारा मेगा फैब्रिक डिस्प्ले का आयोजन किया गया। यह डिस्प्ले आगामी फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए होटल रेडीयेण्ट में आयोजित की गई। बॉम्बे कलेक्शन के श्री प्रवीण भाई ने कंपनी के रीजनल सेल्स मैनेजर श्री रणजीत सिंह का स्वागत किया।

डीलर श्री किशोर आहुजा ने बताया कि आगामी त्यौहारी एवं वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए इस कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। कंपनी के नये डवलपमेण्ट देखकर व्यापारी काफी प्रभावित हुए। इस दौरान टीआर फैब्रिक्स, लाइक्रा फैब्रिक्स को सभी रिटेलर्स द्वारा काफी सराहा गया। सभी प्रोडक्ट्स की कलर रेंज आकर्षण का केन्द्र रही। सभी रिटेलर्स ने आगामी सीजन को देखते हुए बहुत अच्छी बुकिंग करायी। श्री रणजीत सिंह द्वारा इस दौरान श्री आहुजा को 'सियाराम' द्वारा इस वर्ष महाराष्ट्र में सर्वाधिक सेल हेतु द्वितीय पुरूस्कार प्रदान किया गया।

कॉन्फ्रेन्स के दौरान कंपनी के एजेण्ट श्री मनीष नागलिया, रिजनल सेल्स मैनेजर श्री रणजीत सिंह, एरिया सेल्स मैनेजर श्री अमित शर्मा, श्री संदीप मिश्रा, श्री यशवन्त गुर्जर, श्री संतोष शर्मा, श्री मोहन देवरूकर उपस्थित थे। अन्त में डीलर श्री किशोर आहुजा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

CHINAR FABRICS का 'गोवा सेल्स उत्सव' सफलतापूर्वक सम्पन्न

'ट्विड लिबास फैब्रिक्स' न्यू कैटलॉग के साथ बाजार में उतारा

भिवानी/ उत्तर भारत की अग्रणी टेक्सटाइल कंपनी **'चिनार फैब्रिक'** द्वारा गत दिनों **'गोवा सेल्स उत्सव'** का आयोजन किया गया। गोवा के रिवा रिसोर्ट में आयोजित यह कॉन्फ्रेन्स लगभग एक सप्ताह चली जिसका शुभारंभ कंपनी के एमडी श्री पीडी अग्रवाल ने डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल, डीलर्स, एजेण्ट्स एवं रिटेलर्स की उपस्थिति में किया।

एमडी श्री अग्रवाल ने चिनार के संस्थापक श्री रामबाबू अग्रवाल को याद करते हुए कहा कि चिनार बाबूजी के आदर्शों को अपनाते हुए निरन्तर आगे बढ़ रही है। वे हमेशा चिनार के प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

शानदार डिस्प्ले- कॉन्फ्रेन्स के दौरान कंपनी द्वारा शानदार डिस्प्ले किया गया। जिसमें सर्दियों के लिए मार्टल, सैन्ड्रो, लिबास, ट्वीड, 100 प्रतिशत लिनन, लिनन कॉटन, पी.वी. सूटिंग्स, कॉटन, खादी शर्टिंग तथा पैकजिंग की सभी क्वालिटीयों का भव्य डिस्प्ले किया गया। जिसमें व्यापारी को प्रत्येक क्वालिटी चुनने का पूरा अवसर मिला। डायरेक्टर श्री मीनू अग्रवाल ने बताया कि चिनार फैब्रिक्स ने गोवा कॉन्फ्रेन्स में ट्वीड लिबास फैब्रिक्स को आधुनिक फैब्रिक्स बहुत सारे कलर्स के साथ डीलर्स एवं एजेन्ट्स की उपस्थिति में लॉन्च किया गया।

इस अवसर पर ट्वीड लिबास के बारे में जानकारी देते हुए श्री उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि यह फैब्रिक्स विशेष धागे व विशेष प्रोसेस व आधुनिक तकनीक से निर्मित किया गया फैब्रिक्स है। यह फैब्रिक्स इम्पोर्टिड धागे से बना है जो न्यू डवल्पमेंट के साथ बाजार में उतारा है। यह क्वालिटी बाजार में आने से चिनार फैब्रिक्स की सेल और बढ़ गई है और इस कॉन्फ्रेन्स में भी व्यापारियों ने जबरदस्त बुकिंग करायी।

केटलॉग लॉन्च- श्री अग्रवाल ने बताया कि कॉन्फ्रेन्स के दौरान कंपनी द्वारा 'चिनार ट्वीड' एवं 'लिबास एथेनिक' के दो नये केटलॉग लॉन्च किये गये। जिन्हें व्यापारियों को बहुत अच्छा रिस्पोंस एवं बुकिंग मिली।

सेल बढ़ाने के संकल्प के साथ कॉन्फ्रेन्स का समापन- गोवा कॉन्फ्रेन्स के सम्मापन समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि गोवा कॉन्फ्रेन्स में विन्टर के लिए रिकॉर्ड तोड़ बुकिंग रही। चिनार फैब्रिक्स की ट्वीड लिबास नये स्टाइल के साथ बाजार में लॉन्च किया गया। जिसकी मांग व बुकिंग जबरदस्त हुई है। इस अवसर पर मिल प्रबन्धक श्री पी.डी. अग्रवाल ने बताया कि चिनार फैब्रिक्स ने बहुत ही अल्प समय में जो सेल का रिकॉर्ड बनाया है वह अपने आप में बहुत बड़ी बात है। आने वाले समय में सेल और भी अधिक होने की आशा है। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने गोवा कॉन्फ्रेन्स में सभी आये हुये रिटेलर्स, डीलर्स, एजेन्ट्स तथा मिल स्टाफ के सदस्यों का धन्यवाद किया गया।

J.HAMPSTEAD
WORLD'S FINEST FABRIC & APPAREL
A DIFFERENT LEAGUE

ने गुजरात के व्यापारियों को कराया अनोखे देश 'बाकू' का भ्रमण

'वन सूट 7 स्टाइल' कन्सेप्ट पसंद आया व्यापारियों को

मुम्बई/ आपके वार्डरोब को मनमोहक बनाने एवं खुशियों भरी नई एनर्जी लाने के लिए 'जे. हेम्पस्टेड' एक बेहतरीन ब्राड है क्योंकि इस ब्रांड ने अपने नए और आकर्षक 'ऑटम विंटर-2022 कलेक्शन' लॉन्च कर दिया है। जिसमें वन सूट 7 स्टाइल, लग्जरी एक्सट्रीम ब्लैक, शेड्स ऑफ सीजन्स और एनओएस कॉन्सेप्ट्स प्रस्तुत किये हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 'जे.हेम्पसटेड' द्वारा निश्चित खरीदी करने वाले गुजरात के व्यापारियों को 1 से 4 जुलाई, 2022 तक विश्व के अनोखे शहर के नाम से मशहूर अजरबेजान के बाकू शहर का भ्रमण कराया। इस भ्रमण में अधिकांश व्यापारी कपल (पत्नि सहित) आये थे। यह शहर यूरोप एवं एशिया के मध्य स्थित है जो अपनी अलग भाषा, रहन-सहन, वेशभूषा, संस्कृति, धर्म एवं व्यवसाय के लिए जाना जाता है। विश्व पटल पर यह शहर अपनी अनोखी बसावट एवं खूबसूरती के लिए भी प्रसिद्ध है। यहाँ आकर सभी व्यापारियों में जबरदस्त उत्साह का संचार हुआ और उन्होंने 'जे. हेम्पसटेड' को इस अनोखे शहर के भ्रमण हेतु कोटि: कोटि: धन्यवाद दिया।

अवॉर्ड सेरेमनी- इस कान्फ्रेन्स के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने व ाले व्यापारियों को अवॉर्ड से सम्मानितकिया गया। कंपनी के डायरेक्टर श्री अवनीश पोद्दार द्वारा अवॉर्ड दिये गये। जिससे सभी व्यापारी काफी उत्साहित नजर आये एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का गहरा विश्वास दिलाया।

आकर्षक डिस्प्ले- कंपनी के वाईस प्रेसीडेण्ट श्री विजय कुमार जैन ने बताया कि एक्जोटिक रेंज पोलिवूल के अंदर काफी नये शेड एवं डिजाइनों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें सुपर130 सुपर 140 सुपर 150 सुपर 170 की रेंज व्यापारी को काफी पसंद आयी। साथ ही नयी डिजाइनों को व्यापारियों ने काफी प्रशंसा की। इसके अलावा रिचवूल, पीवी डब्ल्यू, पीवी, टीआर, लिनन, कॉटन एवं एथेनिक इत्यादि सभी में नये शेड लॉन्च किये। उन्होंने बताया कि फाइन काउण्ट 100 प्रतिशत गीजा शर्टिंग में नये-नये शेड्स का डिस्प्ले भी किया गया। साथ ही 80 ली लिनन शर्टिंग भी पेश की गई।

एक्सक्लुसिव ब्लेक रेंज- 'जे हेम्पस्टेड' द्वारा पहली बार एक्ट्रीम ब्लेक कलर की विशाल श्रंखला का डिस्प्ले किया। पोलिवूल, पीवी, टीआर, पीवीडब्ल्यू एवं रिच वूल में एक्स्ट्रा ब्लेक की रेंज अद्वितीय थी। जिसमें हर व्यापारी ने अधिक से अधिक ऑर्डर दिये।

कॉन्फ्रेन्स के अन्त में कंपनी के रिजनल सेल्स मैनेजर श्री रणजीत सिंह एवं कंपनी के एजेण्ट श्री जिग्नेश ब्रह्मभट्ट ने सभी व्यापारियों को यह कॉन्फ्रेन्स सफल बनाने हेतु धन्यवाद प्रेषित किया।